



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY  
भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1  
प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 45]  
No. 45]

नई दिल्ली, मंगलवार, फरवरी 20, 2007/फाल्गुन 1, 1928  
NEW DELHI, TUESDAY, FEBRUARY 20, 2007/PHALGUNA 1, 1928

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 20 फरवरी, 2007

प्रारंभिक जांच परिणाम

विषय :—स्विट्जरलैंड तथा चीन जनवादी गणराज्य के मूल के अथवा वहां से निर्यातित विटामिन-ए पामिटेट के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच ।

सं. 14/11/2005-डीजीएडी.—1995, में यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे एतदपश्चात् अधिनियम कहा गया है) और उसकी सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं का अभिज्ञान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं वसूली और क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे एतदपश्चात् नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए;

2. जबकि मैसर्स निकोलस पिरामल इंडिया लि., मुम्बई (जिसे एतदपश्चात् आवेदक कहा गया है) ने निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे एतदपश्चात् प्राधिकारी कहा गया है) के समक्ष 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और नियमावली, 1995 के अनुसार एक आवेदन प्रस्तुत किया है जिसमें स्विट्जरलैंड तथा चीन जनवादी गणराज्य (जिसे एतदपश्चात् संबद्ध देश कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित विटामिन ए पामिटेट (जिसे एतदपश्चात् संबद्ध वस्तु कहा गया है) के पाटन का आरोप लगाया गया है और संबद्ध माल पर पाटनरोधी शुल्क लगाने हेतु पाटनरोधी जांच करने का अनुरोध किया है ।

3. और जबकि प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की ओर से मै. निकोलस पिरामल इंडिया लि. द्वारा प्रस्तुत किए गए पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर 23 मार्च, 2006 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की जिसे भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित किया गया था जिसके द्वारा नियमों के उप-नियम 5(5) के अनुसार संबद्ध देशों/क्षेत्रों के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों से संबंधित जांच शुरू की गयी थी ताकि कथित पाटन की मौजूदगी, मात्रा और उसके प्रभाव का निर्धारण किया जा सके और उस पाटनरोधी शुल्क की राशि, यदि लगायी जाए तो, घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगी, की सिफारिश की जा सके ।

## क. प्रक्रिया

4. प्राधिकारी द्वारा उक्त जांच की शुरुआत करने संबंधी सार्वजनिक सूचना जारी करने के पश्चात् इस जांच के बारे में निम्नलिखित प्रक्रिया का अनुपालन किया गया है।
  - (i) निर्दिष्ट प्राधिकारी ने अपने पास उपलब्ध सूचना के अनुसार भारत में संबद्ध देश के दूतावासों, ज्ञात निर्यातकों, आयातकों और घरेलू उद्योग को जांच शुरुआत करने संबंधी 23 मार्च, 2006 की अधिसूचना की एक प्रति भेजी और उनसे जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना के 40 दिनों के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने और लिखित में अपने विचारों से अवगत कराने का अनुरोध किया।
  - (ii) उक्त नियम 6(3) के अनुसार ज्ञात निर्यातकों और संबद्ध देशों के दूतावासों/उच्चायोगों को घरेलू उद्योग द्वारा याचिका के अगोपनीय रूपान्तर की प्रतियां उपलब्ध कराई गई थीं।
  - (iii) नई दिल्ली में संबद्ध देशों/क्षेत्रों के दूतावासों को नियम 6(2) के अनुसार जांच की शुरुआत करने के बारे में सूचना दी गई थी और उनसे यह अनुरोध किया गया था कि वह अपने देश के निर्यातकों/उत्पादकों को प्रश्नावली का जवाब निर्धारित समय के भीतर देने की सलाह दें। निर्यातकों के नाम एवं पत्तों सहित निर्यातकों को भेजे गए पत्र, याचिका तथा प्रश्नावली की एक प्रति भी संबद्ध देश के दूतावासों को भेजी गई।
  - (iv) नियम 6(4) के अनुसार संबद्ध देश के ज्ञात निर्यातकों से संगत सूचना मांगने के लिए प्राधिकारी द्वारा एक प्रश्नावली भेजी गयी थी :-
    - (क) मै. डीएसएम न्यूट्रिशनल प्रोडक्ट्स, स्विट्जरलैंड;
    - (ख) मै. झिजियांग एनएचयू कंपनी लिमिटेड (एनएचयू), चीन. जन. गण.; और
    - (ग) मै. साइनकेम इंटरनेशनल कं. लि. (साइनकेम), चीन जन. गण.
  - (vi) भारत में संबद्ध वस्तु के ज्ञात आयातकों और उपभोक्ताओं को प्रश्नावलियां भेजी गयी थीं जिनमें नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना मांगी गयी थी। तथापि, केवल मै. हेक्सपॉन न्यूट्रिशन प्रा. लि., मुंबई ने जांच की शुरुआत का उत्तर प्रस्तुत किया है। उपर्युक्त हितबद्ध पक्षकारों के विचारों को संगत सीमा तक रिकॉर्ड में लिया गया है और उचित स्थानों पर प्राधिकारी द्वारा उनकी जांच की गई है।
  - (vii) जांच की अवधि सहित पिछले 3 वर्षों के दौरान संबद्ध वस्तु के आयातों के ब्यौरे प्रस्तुत करने के लिए वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआईएण्डएस) से भी अनुरोध किया गया था।
  - (viii) प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य का अगोपनीय रूपान्तर उसके द्वारा रखी गयी सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध कराया और उसे हितबद्ध पार्टियों के निरीक्षण हेतु खुला रखा।
  - (ix) आवेदक द्वारा प्रस्तुत सूचना और सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों के आधार पर उत्पादन की ईष्टतम लागत तथा भारत में संबद्ध वस्तु को बनाने और बेचने की लागत निकाली गयी थी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि क्या घरेलू उद्योग को हुई क्षति की समाप्ति के लिए पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क पर्याप्त होगा।

(x) \*\*\*\* से इस अधिसूचना में हितबद्ध पार्टियों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना का पता चलता है और प्राधिकारी ने नियमानुसार उसे गोपनीय ही माना है।

(xi) जांच में 1 अप्रैल, 2004 से 30 सितम्बर, 2005 तक की अवधि (पीओआई) शामिल थी।

#### ग. विचाराधीन उत्पाद एवं समान वस्तु

5. वर्तमान जांच में शामिल उत्पाद विटामिन-ए पामिटेट है। विटामिन-ए पामिटेट विटामिन 1.7 तथा विटामिन ए पामिटेट 1.0 जैसी विभिन्न सांद्रताओं में उपलब्ध है। भारत में चीन जनवादी गणराज्य तथा स्विट्जरलैंड से विटामिन-ए पामिटेट 1.7 का पाटन किया जा रहा है। दोनों उत्पादों की उत्पादन प्रक्रिया; भौतिक एवं रासायनिक विशेषताएं समान हैं और ये उत्पाद प्रतिस्थापनीय हैं तथा उनका एक-दूसरे के स्थान पर प्रयोग किया जा सकता है। चूंकि भिन्न-भिन्न सांद्रताओं वाले विटामिन-ए पामिटेट का अंतिम प्रयोग समान है, वर्तमान जांच में सभी सांद्रताओं एवं रूपों में विटामिन ए पामिटेट 1.7 और विटामिन ए पामिटेट 1.0 (जिसे एतदपश्चात् "संबद्ध वस्तु" कहा गया है) शामिल होंगे। यह उत्पाद उक्त सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की प्रथम अनुसूची के अध्याय 29 में शीर्ष सं. 293621.00 और आईटीसी एचएस वर्गीकरण के अंतर्गत वर्गीकृत हैं। तथापि, यह वर्गीकरण मात्र सांकेतिक है और वर्तमान जांच के क्षेत्र पर किसी भी प्रकार बाध्यकारी नहीं है।

#### घ. घरेलू उद्योग की स्थिति और जांच की शुरुआत

6. आवेदन में, निकोलस पिरामल इंडिया लि. द्वारा प्रस्तुत किया गया है। ओवदक भारत में संबद्ध वस्तु का एकमात्र ज्ञात उत्पादक है और वह भारत में संबद्ध वस्तु के सम्पूर्ण उत्पादन के लिए उत्तरदायी हैं। अतः, याचिकाकर्ता वर्तमान याचिका को प्रस्तुत करने की स्थिति को पूरा करते हैं और नियम के अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग हैं।

#### ड. अन्य अनुरोध एवं उठाए गए मुद्दे :

##### ड.1. घरेलू उद्योग

7. घरेलू उद्योग ने निवेदन किया है कि संबद्ध वस्तु के लिए निर्धारित सीमाशुल्क शीर्ष 293621.00 है परन्तु विटामिन के अन्य प्रकार भी हैं जो विचाराधीन संबद्ध वस्तु नहीं हैं। चूंकि विटामिन के अन्य प्रकार हैं जो इस जांच के दायरे के भीतर नहीं हैं, अतः याचिकाकर्ता ने अंतर्राष्ट्रीय व्यापार सूचना सेवा (आईबीआईएस), मुम्बई द्वारा उपलब्ध कराई गई आयात संबंधी सौदे-वार सूचना से संकलित आयात सूचना प्रस्तुत की है। उन्होंने यह भी निवेदन किया है कि जांच प्रारंभ होने के बाद पाटन में और वृद्धि हुई है तथा उन्हें हो रही लगातार क्षति को ध्यान में रखते हुए प्रारंभिक निर्धारण एवं अनन्तिम शुल्क आवश्यक है।

8. घरेलू उद्योग ने यह भी निवेदन किया है कि प्रश्नावली के उत्तर का अर्थपूर्ण सारांश प्रस्तुत न कर के निर्यातक लागू पाटनरोधी प्रावधानों के तहत अपने दायित्व को पूरा करने में असफल रहे हैं। निर्यातकों ने कोई कारण बताए बिना अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया है और प्रश्नावली का कुछ भाग अपूर्ण और

अपर्याप्त है। इसके अतिरिक्त, गोपनीय रूपान्तर में दी गई समस्त सूचनाओं के लिए प्रश्नावली उत्तर का अगोपनीय रूपान्तर प्रस्तुत नहीं किया गया है। यह तर्क दिया गया है कि निर्यातक का यह दायित्व था कि गोपनीयता का दावा क्यों किया गया और कुछेक सूचनाओं का सर्वेक्षण क्यों संभव नहीं था, इससे संबंधित कारणों का उचित विवरण दें। इसका परिणाम गोपनीयता से संबंधित उपबंधों में की गई परिकल्पना के अनुसार घरेलू उद्योग प्रभावकारी निवेदन प्रस्तुत करने के अपने न्यायसंगत अधिकार से वंचित रहा है।

9. घरेलू उद्योग ने यह भी निवेदन किया है कि चीन एक गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है और पिछले तीन वर्षों में यूरोपीय आयोग एवं अमेरिका द्वारा उसे यही व्यवहार प्रदान किया गया है। भारत में निर्दिष्ट प्राधिकारी ने वास्तव में दिनांक 31.5.2002 के संशोधन के पश्चात प्रारंभ की गई सभी जांचों में चीन को गैर- बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना है। अतः, चीन एक गैर- बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है और चीन के उत्पादकों को बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान नहीं किया जा सकता है।

## ड.2. आयातक

10. मै. हेक्सागॉन न्यूट्रिशन प्रा. लि. ने अपने निवेदन में तर्क दिया है कि स्विट्जरलैंड ने पिछले तीन वर्षों से 70 अमरीकी डॉलर प्रति कि.ग्रा. के अपने कीमत स्तर को बनाए रखा है जबकि चीन ने अपनी 66 अम. डा. की कीमत को घटा कर वर्तमान निर्यात कीमत 56 अम. डॉ. कर दिया है। उन्होंने यह भी तर्क दिया है कि निकोलस पिरामल ने संबद्ध वस्तु का निर्यात उस कीमत से भी कम कीमत पर किया है जिस पर स्विट्जरलैंड से संबद्ध वस्तु का निर्यात किया गया है।

11. इसके अतिरिक्त, उन्होंने तर्क दिया है कि इस उत्पाद की लागत मितव्ययी उपलब्धता अनिवार्य है क्योंकि विटामिन की भारी कमी को पूरा करने के लिए कई धर्मार्थ संगठनों द्वारा विटामिन अनुपूरकों हेतु भारत में परियोजनाओं का वित्तपोषण किया जा रहा है। पाटनरोधी शुल्क लागू करने की परिणति एनपीआईएल के लिए एकाधिकार की स्थिति के रूप में होगी और पाटनरोधी शुल्क के कारण उपभोक्ताओं को उच्चतर कीमत का भार वहन करना पड़ेगा।

## ड.3. निर्यातक

12. मै. डीएसएम न्यूट्रिशनल प्रोडक्ट्स (डीएनपी) ने अपने प्रारंभिक अनुरोधों में यह तर्क दिया था कि डीएनपी भारतीय बाजार में अपने उत्पाद का पाटन करने की नीति नहीं अपनाती है और प्रश्नावली के उत्तर में प्रदत्त तथ्य और आंकड़े यह सिद्ध करते हैं कि भारत को निर्यात के लिए डीएनपी द्वारा प्रभारित कीमतों से याचिकाकर्ताओं को ऐसी कोई वास्तविक क्षति नहीं हुई है जिससे पाटनरोधी शुल्क लगाना युक्तिसंगत प्रतीत होता हो। यह तर्क दिया गया है कि भारत में और स्विट्जरलैंड में क्रयशक्ति और बाजार संरचना बिल्कुल अलग हैं- जैसाकि प्रति सौदा बेचे गए उत्पादों की मात्रा से स्पष्ट है- जिसका बिक्री कीमत पर प्रत्यक्ष प्रभाव पड़ता है। ईयू बाजार में की गई बिक्रियाँ भारत को की गई निर्यात बिक्रियों की विशेषताओं से काफी मिलती- जुलती हैं और न कि स्विट्स बाजार में की गई बिक्रियों से तथा ये उन बाजारों में प्राप्त की जा सकने वाली कीमतें भी तुलनीय हैं। यह अनुरोध किया गया है कि डीएनपी उत्पादों के गंतव्य पर विचार न करते हुए संबंधित उत्पाद को हमेशा उत्पादन लागत से अधिक पर बेचता है और याचिकाकर्ता ने स्विट्जरलैंड में डीएनपी की बिक्री कीमतों का काफी बढ़ा- चढ़ाकर अनुमान लगाया है और कारखाना द्वार पर निर्यात कीमतों को काफी कम आँका है।

13. यह भी अनुरोध किया गया है कि स्विट्जरलैंड से आयातित उत्पाद पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने को डीएनपी द्वारा वास्तविक क्षति नहीं पहुंचाए जाने के कारण डब्ल्यूटीओ नियमों के अंतर्गत न्यायोचित नहीं ठहराया जा सकता है और इससे भारत में वह एकाधिकार पुनः स्थापित हो जाएगा जो सिंगापुर, जार्जिया और ईयू से आयातित उत्पाद पर शुल्क के लागू होने के बाद वर्ष 2003 में और 2004 के पूर्वार्द्ध में याचिकाकर्ता स्थापित करने में सफल रहा था। इसके परिणामस्वरूप स्पष्ट रूप से भारतीय उपभोक्ताओं को अपेक्षाकृत उच्च बिक्री कीमत चुकानी होगी और भारतीय अर्थव्यवस्था को हानि पहुंचेगी।

#### च. पाटन एवं पाटन मार्जिन का निर्धारण

##### च.1. चीन जन. गण.

14. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पिछले तीन वर्षों में ईयू और अमरीका जैसे डब्ल्यूटीओ सदस्य देशों द्वारा पाटनरोधी जांच में चीन जन. गण. को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना गया है। अतः पाटनरोधी नियमों के अनुबंध 1 के पैरा 8(2) के अनुसार सामान्य मूल्य के अनंतिम आकलन के प्रयोजनार्थ चीन जन. गण. को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना गया है।

15. पाटनरोधी नियमावली यथासंशोधित के अनुबंध 1 के पैराग्राफ 8 के अनुसार गैर-बाजार अर्थव्यवस्था की पूर्वधारणा का खण्डन तभी किया जा सकता है यदि चीन के निर्यातक पैराग्राफ 8 के उप पैराग्राफ (3) में विनिर्दिष्ट मापदण्डों के आधार पर सूचना तथा पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करें और इसके खण्डन को सिद्ध करें। चीन जन. गण. के संबद्ध वस्तु के सहयोगी निर्यातकों/उत्पादकों को बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार संबंधी प्रश्नावली के उत्तर में पैराग्राफ 8 के उप पैराग्राफ (3) में यथाउल्लिखित आवश्यक सूचना/पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करने होंगे ताकि निर्दिष्ट प्राधिकारी निम्नलिखित मानदण्डों पर विचार कर सकें कि क्या :

(क) चीन जन. गण. में संबंधित फर्मों के कीमत, लागत और कच्ची सामग्री समेत निविष्टियों, प्रौद्योगिकी एवं श्रम की लागत, उत्पादन, बिक्री एवं निवेश संबंधी निर्णय पूर्ति तथा माँग को दर्शाने वाले बाजार संकेतकों के प्रतिक्रियास्वरूप लिए जाते हैं और इस संबंध में सरकार का कोई महत्वपूर्ण हस्तक्षेप नहीं होता है और क्या प्रमुख निविष्टियों की लागतों से पर्याप्त ढंग से बाजार मूल्य प्रदर्शित होते हैं;

(ख) ऐसी फर्मों की उत्पादन लागत और वित्तीय स्थिति विशेष रूप से परिसम्पत्तियों के मूल्य ह्रास, अन्य बट्टे खाते, वस्तु विनिमय व्यापार और ऋणों की क्षतिपूर्ति के जरिए भुगतान के संबंध में पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थव्यवस्था से उत्पन्न महत्वपूर्ण विकृतियों के अधीन है;

(ग) ऐसी फर्में दिवालिया और सम्पत्ति संबंधी कानूनों, जो फर्मों के प्रचालन के लिए विधिक निश्चितता और स्थायित्व की गारंटी देते हैं, के अधीन हैं।

(घ) मुद्रा विनिमय दरों में बाजार दर के अनुसार परिवर्तन किए जाते हैं।

16. इस संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन जन. गण. की दो कंपनियों ने अपने बाजार अर्थव्यवस्था तथा पृथक् व्यवहार के दावों के समर्थन में प्रश्नावली का उत्तर तथा बाजार अर्थव्यवस्था प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया है। उत्तर देने वाले निर्यातकों की निम्नानुसार जांच की गई है :-

558 GI/07-2

च. 1.1 मै. झेजियांग एनएचयू कंपनी लिमिटेड (एनएचयू), चीन जन. गण. और मै. सिनकैम इंटरनेशनल कं. लि.

17. मै. झेजियांग एनएचयू कंपनी लि. (एचएचयू) चीन जन. गण. ने मै. सिनकैम इंटरनेशनल कं. लि. के साथ निर्यातक प्रश्नावली और बाजार अर्थव्यवस्था प्रश्नावली का उत्तर दिया है। एनएचयू चीन में संबद्ध वस्तु का उत्पादक है और अपनी संबंधित कंपनी सिनकैम जो एक व्यापारिक कंपनी है, के जरिए भारत को इसका निर्यात करता है।

18. एनएचयू ने यह दावा किया है कि वह चीन में एक सार्वजनिक रूप से सूचीबद्ध कंपनी है और इसके शेयरों का एक प्रमुख हिस्सा (\*\*\*\*%) मै. जिनचांग, काउंटी सिंथेटिक कैमिकल्स फैक्टरी (जिनचांग) के पास है और इसके कुछ हिस्से पर सार्वजनिक शेयरधारकों ने निवेश किया है। कंपनी ने यह स्पष्ट किया है कि कंपनी के नाम में प्रयुक्त "काउंटी" शब्द काउंटी का भौगोलिक संकेतक है जहां यह कारखाना स्थित है और इनका काउंटी की सरकार से कोई लेना देना नहीं है। कंपनी ने आगे यह दावा किया है कि जिंघांग एक निजी कंपनी है जो शेयरों द्वारा नियंत्रित होती है और यह अपने को एक धारक कंपनी में परिवर्तित करने की प्रक्रिया में है। इस कंपनी के शेयरों का प्रमुख हिस्सा 6 व्यक्तियों के पास है। तथापि, निर्यातक ने इस कंपनी द्वारा नियंत्रित विभिन्न उत्पादन इकाइयों की मूल स्थिति और उनके रूपांतरण के संबंध में कोई सूचना उपलब्ध नहीं कराई है कि क्या ये शेयर पहले स्थानीय/राज्य या प्रादेशिक सरकार के पास थे। धारक कंपनी के अपने स्वयं के अधीन या एनएचयू के जरिए अनेक उत्पादन एवं व्यापारिक इकाइयों की मौजूदगी की संभावना प्रतीत होती है। इस कंपनी के नाम में "कारखाना" और "काउंटी" शब्दों से ऐसा प्रतीत होता है कि जिनचांग निजीकरण प्रक्रिया के जरिए निजी सत्ता के तौर पर रूपांतरित होने से पहले जिनचांग काउंटी सरकार के अंतर्गत सिंथेटिक कैमिकल का कारखाना था। अतः कंपनी को बाजार अर्थव्यवस्था की स्थिति पर अंतिम रूप से विचार करने से पूर्व जिनचांग की स्थिति तथा संबद्ध वस्तु के उत्पादन एवं बिक्री में शामिल विभिन्न उत्पादन इकाइयों तथा व्यापारिक कंपनियों की जांच करना आवश्यक है। उत्पादक के पास अनेक स्थानीय कच्ची सामग्री आपूर्तिकर्ता हैं जिनको निजी सत्ता के रूप में दर्शाया गया है जबकि प्रतिवादी के पास उनके पते नहीं हैं। उपर्युक्त के मद्देनजर अनंतिम रूप से इस निष्कर्ष पर पहुंचना संभव नहीं होगा कि संबंधित फर्मों के कीमतों, लागत एवं कच्ची सामग्री समेत निविष्टियों आदि से संबंधित निर्णय सरकार के किसी हस्तक्षेप से मुक्त है और प्रमुख निविष्टियों की लागत पर्याप्त रूप से बाजार मूल्य को प्रदर्शित करती है। इसी प्रकार अनंतिम रूप से इस निर्णय पर पहुंचना भी संभव नहीं है कि शामिल फर्मों की उत्पादन लागत तथा वित्तीय स्थिति पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थव्यवस्था प्रणाली से उत्पन्न महत्वपूर्ण विकृतियों के अधीन नहीं है।

19. मै. सिनकैम इंटरनेशनल कं. लि. ने मै. झेजियांग एनएचयू द्वारा विनिर्मित संबद्ध वस्तुओं के निर्यातक के तौर पर प्रश्नावली का उत्तर दिया है। यह कंपनी डालियाँ बांडेड जोन में पंजीकृत एक व्यापारिक कंपनी है। इस कंपनी ने दावा किया है कि कंपनी की अधिकांश शेयरधारिता मै. जिनचांग सिंथेटिक कैमिकल फैक्टरी की है और शेष शेयरधारिता एक व्यक्ति के पास है। प्रतिवादी ने यह भी दावा किया है कि वह कोई सरकारी या स्थानीय निकाय नहीं है और न ही वह निजीकरण की प्रक्रिया में सरकारी या स्थानीय निकायों से रूपांतरित कोई कंपनी है। तथापि, जियान चांग उत्पादक कंपनी अर्थात् झेजियांग एनएचयू कंपनी लि. का सामान्य प्रमुख शेयरधारक है। अतः संबद्ध वस्तु के उत्पादक और निर्यातक संबंधित हैं। तथापि, इस कंपनी का चीन में संबद्ध वस्तु का कोई उत्पादन और/या घरेलू बिक्री नहीं है।

20. अतः प्राधिकारी का यह विचार है कि आगे की जांच होने तक इस उत्पादक के लिए सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु और निर्यातक द्वारा प्रस्तुत सूचना के सत्यापन के लिए इसे बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा नहीं दिया जा सकता है। उपर्युक्त के मद्देनजर, प्रारंभिक निर्धारण के प्रयोजनार्थ, प्राधिकारी ने नियमों के अनुबंध-1 के पैरा 7 के अनुसार चीन में सामान्य मूल्य के निर्धारण की प्रक्रिया को अपनाया है। तथापि, बाजार अर्थव्यवस्था की स्थिति और सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत के निर्धारण के प्रयोजनार्थ दोनों सत्ताओं के आंकड़ों की आगे जांच और सत्यापन होने तक इस निर्यातक के आंकड़ों का प्रयोग उत्पादक-निर्यातक दोनों के लिए निर्यात कीमत के अनंतिम रूप से निर्धारण के लिए किया गया है।

### (क) सामान्य मूल्य

21. जैसाकि ऊपर नोट किया गया है चीनी निर्यातकों के लिए नियमों के अनुबंध-1, पैरा 7 के अनुसार सामान्य मूल्य निर्धारित किया गया है जिसमें यह व्यवस्था है कि :

“ गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयातों के मामले में, सामान्य मूल्य का निर्धारण बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में कीमत या परिकलित मूल्य के आधार पर या ऐसे किसी तीसरे देश से भारत समेत अन्य देशों को किए गए निर्यातों की कीमत या जहाँ यह संभव नहीं हो तो समान उत्पाद के लिए भारत में वास्तविक रूप से चुकाई गई या देय कीमत जिसे यदि आवश्यक हो तो तर्कसंगत लाभ मार्जिन शामिल करने के लिए विधिवत ढंग से समायोजित किया गया हो। प्राधिकारी द्वारा युक्तिसंगत ढंग से एक उचित बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश का चयन “ संबंधित देश के विकास और जांचाधीन उत्पाद के स्तर को ध्यान में रखते हुए किया जाएगा तथा चयन के समय उपलब्ध कराई गई किसी विश्वसनीय सूचना पर पर्याप्त ध्यान दिया जाएगा। किसी अन्य बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के संबंध में किसी समान मामले में की गई जांच की समय सीमा के भीतर “ यदि आवश्यक हो “ तो विचार किया जाएगा। इस जांच में शामिल पक्षकारों को पूर्वोक्त प्रक्रिया से चयनित बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के चयन की सूचना बिना किसी अनुचित विलम्ब के दी जाएगी और उन्हें अपनी टिप्पणियाँ देने के लिए तर्कसंगत समयावधि प्रदान की जाएगी।

22. इस संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना में हितबद्ध पक्षकारों ने सूचित किया था कि घरेलू उद्योग ने यह सुझाव दिया है कि चीन में गैर- बाजार अर्थव्यवस्था की स्थिति को ध्यान में रखते हुए यूरोपीय संघ को चीन में सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ उचित बाजार अर्थव्यवस्था वाला तीसरा देश माना जाना चाहिए। प्राधिकारी नोट करते हैं कि यूरोपीय बाजार में संबद्ध वस्तु की बिक्री कीमतें इस निर्धारण हेतु उपलब्ध हैं। जांच अवधि के दौरान यूरोपीय बाजार में विटामिन- ए पामिटेट 1.7 बीएचए/बीएचटी की औसत बिक्री कीमत कारखाना द्वार पर \*\*\*\* प्रति कि.ग्रा. थी। चीन से निर्यात 1.7 एमआईयू/ग्रा. और 1.6 एमआईयू/ग्रा. की काफी कम मात्रा में है। अतः आगे की जांच होने तक और इस विषय पर हितबद्ध पक्षकारों की टिप्पणियाँ प्राप्त होने तक प्रारंभिक निर्धारण के प्रयोजनार्थ चीन जन. गण. के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण यूरोपीय बाजार में कीमत के आधार पर किया गया है। तदनुसार, अनंतिम रूप से विटामिन- ए पामिटेट 1.7 एमआईयू/ग्रा. के सामान्य मूल्य का निर्धारण \*\*\*\* अम. डा. प्रति कि.ग्रा. निर्धारित किया गया है।

## (ख) निर्यात कीमत

## (i) एनएचयू- सिनकैम

23. प्राधिकारी नोट करते हैं कि एनएचयू सिनकैम ने जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु की \*\*\*\* कि.ग्रा. मात्रा का निर्यात किया है। इन वस्तुओं की सिनकैम को बिक्री \*\*\*\* अम. डा. प्रति कि.ग्रा. की निवल कारखानागत कीमत पर एफओबी आधार पर की गई है। इसके अलावा, सिनकैम ने सीआईएफ आधार पर भारत में उपभोक्ताओं को इन वस्तुओं का निर्यात किया है। सिनकैम और एनएचयू द्वारा वहन किए गए सभी प्रत्यक्ष बिक्री खर्चों अर्थात् अंतर्देशीय एवं समुद्री मालभाड़ा और बीमा ऋण संबंधी खर्च के लिए समायोजन निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत उत्तर के अनुसार किया गया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि निर्यातक ने बीजक मूल्य के 17% की दर से वैट का भुगतान किया है और बीजक मूल्य के 5% की दर से वापसी का दावा किया है। अतः निवल निर्यात कीमत का निर्धारण दिए गए वैट और प्राप्त किए गए वापसी भुगतान को समायोजित करने के बाद किया गया है। तदनुसार, सिनकैम की निवल कीमत वसूली विटामिन- ए पामिटेट 1.7 एमआईयू/ग्रा. के लिए \*\*\*\* अम. डा. प्रति कि.ग्रा. बनती है। अतः कारखाना द्वार स्तर पर उत्पादक द्वारा प्राप्त की गई कीमत निर्यातक- उत्पादक द्वारा प्राप्त की गई कीमत निर्यातक- उत्पादक दोनों के लिए पाटन मार्जिन के निर्धारण के प्रयोजनार्थ निर्यात कीमत के रूप में अनंतिम रूप से स्वीकृत की गई है। तदनुसार, सहयोगी निर्यातकों के लिए निवल निर्यात कीमत \*\*\*\* अम. डा. प्रति कि.ग्रा. के रूप में निर्धारित की गई है।

## (ii) अन्य

24. चीन के अन्य असहयोगी निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत को सहयोगी निर्यातकों की सबसे कम निर्यात कीमत के आधार पर निर्धारित किया गया है। तदनुसार, अन्य असहयोगी निर्यातकों के लिए कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत \*\*\*\* अम. डा./कि.ग्रा. निर्धारित की गई है।

## (ग) पाटन मार्जिन

25. उपर्युक्त अनंतिम सामान्य मूल्य तथा कारखाना द्वार स्तर पर निर्धारित की गई निर्यात कीमत के आधार पर चीन में निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन को अनंतिम रूप से निम्नानुसार निर्धारित किया गया है :

निर्यातक	एनवी	ईपी	डीएम	डीएम %
चीन	अम.डा./ कि.ग्रा.	अम.डा./ कि.ग्रा.	अम.डा./ कि.ग्रा.	
एनएचयू/सिनकैम	*****	*****	*****	42%
सभी अन्य	*****	*****	*****	55%



## च.2. स्विट्जरलैंड

26. प्राधिकारी नोट करते हैं कि स्विट्जरलैंड के केवल एक निर्यातक अर्थात् मै. डीएसएम न्यूट्रीशनल प्रोडक्ट्स (डीएनपी) ने इस उत्पाद के संबंध में प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया है। उनके उत्तर तथा उसमें कुछेक कमियों के आधार पर कतिपय अतिरिक्त सूचना की भी मांग की गई थी। निर्यातक द्वारा प्रश्नावली के दाखिल किए गए उत्तर के आधार पर स्विट्जरलैंड में निर्यातक के लिए निम्नानुसार अनंतिम पाटन मार्जिन का निर्धारण किया गया है :-

### (क) सामान्य मूल्य

27. प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह निर्यातक संबद्ध वस्तु का उत्पादन करता है तथा इसे घरेलू बाजार के साथ-साथ यूरोपीय तथा भारतीय बाजार में बेचता है। तथापि, जांच अवधि के दौरान विटामिन-ए पामिटेट 1.7 बीएचए/बीएचटी तथा 1.7 टीओसीओ का भारत को निर्यात किया गया है। यह नोटिस किया गया था कि जांच अवधि के दौरान \*\*\*\* कि.ग्रा. की घरेलू बाजार में बिक्री कंपनी द्वारा संबद्ध वस्तु की घरेलू बिक्री के 2% से कम है। इसलिए, पाटन मार्जिन के निर्धारण के प्रयोजनार्थ घरेलू बाजार की बिक्रियां प्रतिनिधिक बिक्रियां नहीं हैं। निर्यातक ने अधिनियम की धारा 9क(ग)(ii)(क) के अनुसार सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए यूरोपीय बाजार में संबद्ध वस्तु की अपनी बिक्री उपलब्ध कराई है। निर्यातक ने दावा किया है कि उन्होंने जांच अवधि के दौरान यूरोपीय बाजार में \*\*\*\* कि.ग्रा. विटामिन ए पामिटेट 1.7 बीएचए/बीएचटी तथा 1.7 टीओसीओ की बिक्री की है तथा इसी उत्पाद की \*\*\*\* कि.ग्रा. मात्रा को संगत अवधि के दौरान भारतीय बाजार में बेचा गया है। दोनों बाजार में बेचे गए उत्पाद के एक ही होने के चलते सामान्य मूल्य के अनंतिम निर्धारण के लिए उन्हें आंकड़ों के सत्यापन तथा समेकन की शर्त पर समान उत्पाद माना गया है।

28. निर्यातक ने संबद्ध वस्तु के उत्पादन की लागत के संबंध में कतिपय सूचना मुहैया कराई है। उत्पादन की लागत तथा यूरोपीय बिक्री सौदों की व्यापार जांच के सामान्य दौर के लंबित होने पर यूरोपीय बिक्री कीमत को सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए अनंतिम रूप से स्वीकार किया गया है। आवेदक ने यूरोपीय बाजार में उनकी बिक्री के विरुद्ध अंतर्देशीय तथा निर्यात संबंधी परिवहन व्ययों, बीमा व्ययों, भण्डारण तथा प्रहस्तन व्ययों तथा शिपिंग व्ययों के प्रति कतिपय समायोजनों का कारखाना द्वार स्तर पर सामान्य मूल्य के परिकलन के लिए दावा किया है। इस आधार पर स्विट्जरलैंड में निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य को निम्नानुसार निर्धारित किया गया है :-

प्रतिनिधिक ईयू बिक्री	मात्रा कि.ग्रा. में	कीमत यूरो में	कीमत अम. डा. में	विनिमय दर	समायोजन	सामान्य मूल्य अम. डा./ कि.ग्रा.
विटामिन ए पामिटेट 1.7 बीएचबी/बीएचटी	*****	*****	*****	*****	*****	*****
विटामिन ए पामिटेट 1.7 टोको	*****	*****	*****	*****	*****	*****

558 GI/07-3

## (ख) निर्यात कीमत तथा पाटन मार्जिन

## (i) डीएसएम न्यूट्रीशनल प्रोडक्ट्स

29. डीएनपी ने जांच अवधि के दौरान भारत को संबद्ध वस्तु के \*\*\*\* कि.ग्रा. की निर्यात बिक्री जिसमें विटामिन ए पामिटेट 1.7 बीएचए/बीएचटी तथा 1.7 टीओसीओ शामिल है, का हवाला दिया है। निर्यातक द्वारा यह प्रस्तुत किया गया है कि संबंधित उत्पाद सिंगापुर होकर जाते हैं तथा इन्हें सिंगापुर में एशिया प्रशान्त हेतु डीएसएम न्यूट्रीशनल प्रोडक्ट्स के क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा संभाला जाता है। यह भाण्डागार सहित एक व्यापारिक संगठन है जो भारत तथा एशिया प्रशान्त के अन्य देशों को बीजक जारी करता है तथा पुनर्निर्यात करता है। निर्यातक ने दावा किया है कि चूंकि डीएसएम स्विट्जरलैंड तथा डीएसएम सिंगापुर आपस में संबंधित कंपनियां हैं तथा उनके बीच का कीमत तंत्र इस जांच के लिए प्रासंगिक नहीं है तथा इस मुद्दे के सत्यापन के समय जांच की जा सकती है। इसलिए मुद्दों के सत्यापन तथा सिंगापुर में व्यापारिक शाखा द्वारा एसएजी व्ययों के आकलन के लम्बित रहने तक इस निर्यातक की निर्यात कीमत को निर्यातक द्वारा प्रस्तुत किए गए आंकड़ों के आधार पर निर्धारित किया गया है।

भारत को निर्यात कीमत	मात्रा कि.ग्रा. में	मूल्य यूरो में	दर यूरो/ कि.ग्रा.	मूल्य अम. डा.	दर अम. डा./ कि.ग्रा.	समायोजित अम. डा./ कि.ग्रा.	निवल कीमत अम. डा./कि.ग्रा.
विटामिन ए पामिटेट 1.7 बीएचबी/बीएचटी	*****	*****	*****	*****	*****	*****	*****
विटामिन ए पामिटेट 1.7 टोको	*****	*****	*****	*****	*****	*****	*****

30. स्विट्जरलैंड के लिए निर्धारित अनंतिम सामान्य मूल्य तथा डीएनपी के लिए निर्धारित अनंतिम निवल निर्यात कीमत के आधार पर इस सहयोगी निर्यातक के लिए पाटन मार्जिन को निम्नानुसार अनंतिम रूप से आकलित किया गया है :

	एनवी अम. डा./ कि.ग्रा.	मात्रा कि.ग्रा. में	ईपी अम. डा./कि.ग्रा.	मात्रा कि.ग्रा. में	डीएम अम.डा./ कि.ग्रा.	डीएम मूल्य
विटामिन ए पामिटेट 1.7 बीएचबी/बीएचटी	*****	*****	*****	*****	*****	*****
विटामिन ए पामिटेट 1.7 टोको	*****	*****	*****	*****	*****	*****
भारत औसत	*****	*****	*****	*****	*****	*****
					9%	

## (ii) अन्य निर्यातक

31. अन्य निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण निर्यातक आंकड़ों के अनुसार समायोजनों के लिए अनुमति प्रदान करने के पश्चात उपलब्ध सर्वोत्तम तथ्यों के रूप में स्विट्जरलैंड के सहयोगी निर्यातक की न्यूनतम निर्यात कीमत के आधार पर किया गया है। इस प्रकार, निर्धारित निर्यात कीमत की स्विट्जरलैंड के लिए अनंतिम रूप से निर्धारित सामान्य मूल्य से तुलना की गई है। तदनुसार, स्विट्जरलैंड के सभी अन्य निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत पाटन मार्जिन \*\*\*\* अम.डॉ./कि.ग्रा. (30%) बनता है।

## च.4. पाटन मार्जिन : सारांश

उत्पाद	देश	निर्यातक	पाटन मार्जिन	पाटन मार्जिन %
			अम. डॉ./कि.ग्रा.	
विटामिन- ए पामिटेट	स्विट्जरलैंड	मै. डीएसएम न्यूट्रीशनल प्रोडक्ट्स	*****	9%
	स्विट्जरलैंड	अन्य सभी	*****	30%
	चीन	सिनेकेम सहित एनएचयू	*****	42%
		अन्य सभी	*****	55%

32. इस प्रकार अनंतिम रूप से निर्धारित पाटन मार्जिन काफी पाया गया है तथा न्यूनतम स्तर से अधिक है।

## छ. क्षति निर्धारण

## छ.1. निर्यातक तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

33. डीएसएम न्यूट्रीशनल प्रोडक्ट्स ने अपने प्रारंभिक अनुरोधों में अन्य बातों के साथ- साथ यह तर्क दिया है कि :

- याचिकाकर्ता द्वारा सही गई बाजार हिस्से में वर्तमान हानि तथा लाभप्रदता में गिरावट, जैसा कि याचिकाकर्ता द्वारा तर्क दिया गया है, सरकारी नीतियों तथा आर्थिक मानदण्डों के साथ- साथ याचिकाकर्ता के उत्पादन में कमी सहित अनेक कारकों द्वारा हुई है, न कि डीएनपी द्वारा उत्पाद के आयात के कारण।
- कि वर्ष 2003 में कीमतों में वृद्धि का कारण याचिकाकर्ता द्वारा एकाधिकारी स्थिति से लाभ उठाना था जब ईयू से आयातित संबद्ध वस्तु पर पाटनरोधी शुल्क लगाया गया था। जब कथित पाटनरोधी शुल्क लगाया गया था तब याचिकाकर्ता संबंधित वस्तु के एकमात्र घरेलू विनिर्माता होने के कारण अपना एकाधिकार पुनः स्थापित करने तथा इस प्रकार अपनी बिक्री में वृद्धि करने में समर्थ था।

- कि यह एक तार्किक परिणाम था कि 2004 में आयातित सामग्री के एक बार उपलब्ध होते ही घरेलू कीमतों में गिरावट आएगी। याचिकाकर्ता की उत्पादन मात्रा में जांच अवधि के दौरान भी वृद्धि हुई। जहाँ याचिकाकर्ता इसका कारण मांग में वृद्धि को बताता है (अपने बाजार हिस्से को कायम रखने में असमर्थ रहते हुए), वहीं डीएनपी का मत है कि वास्तव में उत्पादन में वृद्धि 2003-04 में याचिकाकर्ता की एकाधिकारी स्थिति थी, जिससे यह अपरिहार्य हो गया कि एक बार अन्य आपूर्तिकर्ताओं के बाजार में प्रवेश करने में समर्थ होते ही याचिकाकर्ता को बाजार हिस्से से वंचित होना पड़ेगा।
- कि आयातित विटामिन- ए पामिटेट पर लगाए गए शुल्क पिछले पांच वर्षों के दौरान आधे से भी कम हो गए हैं (अर्थात् 35% से घटकर 15%) जिससे इस तथ्य के बावजूद कि डीएनपी ने इस अवधि के दौरान अपनी सीआईएफ कीमत में कमी नहीं की है तथा यह पाटन अथवा उससे हुई वास्तविक क्षति का कोई संकेतक नहीं है, आयातित सामग्री को स्पष्ट रूप से उत्तरोत्तर और प्रतिस्पर्धी बना दिया है।
- 2001 से 2005 तक रूपए में अमरीकी डालर की तुलना में लगभग 48 रूपए से 44 रूपए से थोड़े कम तक की वृद्धि हुई है। ये दोनों परिवर्तन सरकारी नीति के परिणामस्वरूप आए थे तथा इससे आयातित सामग्री के लिए वरीयता की व्याख्या करने में मदद मिली।
- कि याचिकाकर्ता की लाभप्रदता के निम्न स्तर का कारण आंशिक रूप से याचिकाकर्ता के विटामिन- ए पामिटेट के उत्पादन के लिए प्रमुख निविष्ट नामतः नींबूघास के तेल की लागत में वृद्धि हो सकती है तथा अन्यथा इससे उत्पादन में कमी के परिणामस्वरूप है। यदि याचिकाकर्ता लाभप्रद रूप से उत्पादन करने में असमर्थ है, भले ही वह अपनी उसी स्थापित क्षमता के साथ अपने कारखाने के उत्पादन का दोगुना कर दे, तब कारखाना निश्चित रूप से अदक्षतापूर्वक प्रचालन करता होना चाहिए।
- कि याचिकाकर्ता अपने विटामिन- ए के उत्पादों को डीएनपी की भारतीय सीआईएफ कीमत की तुलना में 20% तक कम कीमतों पर निर्यात कर रहा है जिससे याचिकाकर्ता को स्पष्ट रूप से स्व- आरोपित क्षति होती है जिसे डीएनपी द्वारा भारत को निर्यात के लिए किसी बिक्री पर आरोपित नहीं किया जा सकता।
- कि याचिकाकर्ता 2001/2002 के आंकड़ों की तुलना में अपने संबंधित बाजार हिस्से की वृद्धि करने में समर्थ था तथा यह दावा नहीं कर सकता कि उसे उच्चतर बाजार हिस्से को रखने की अनुमति प्रदान की जानी चाहिए, जिसे वह अन्य आयातों को बंद करने के परिणामस्वरूप प्राप्त करने में समर्थ था। संभावनाशील बाजार में जहाँ खपत में वृद्धि होती है, वहाँ सामान्य प्रतिस्पर्धा के कारण सभी भागीदार वही बाजार हिस्सा प्राप्त करने का प्रयास करेंगे जो उन्हें पहले प्राप्त था।

- चीन से आयात ऐसी कीमतों पर किए गए थे जो स्विटजरलैंड से किए गए आयातों की कीमत से हमेशा कम से कम लगभग 10% तक कम थे। डीएनपी ने निवेदन किया है कि इसके परिणामों का कारण स्विस् बिक्री को नहीं माना जा सकता है।
- वस्तु सूचियों/स्टॉकों के संबंध में, डीएनपी का निवेदन है कि स्टॉकों में असामान्य रूप से अत्यधिक भिन्नताओं से स्पष्ट और संगत स्थिति का पता नहीं चलता और इसलिए इसका कारण पाटित आयातों को माना नहीं जा सकता, परंतु ऐसा याचिकाकर्ता द्वारा व्यापार की अपनी पद्धति के कारण हुआ था।
- डीएनपी के आंकड़ों से यह प्रदर्शित होता है कि उसके शुरूआती एवं अंतिम स्टॉकों में अच्छा संतुलन है और ऐसा/कोई साक्ष्य मौजूद नहीं है जिससे यह पता चलता हो कि डीएनपी भारतीय बाजार को अपने उत्पादों से पाट देना चाहता है। यह भारतीय बाजार में मांग से सिद्ध नहीं होगा, जो किसी भी तरह से इतनी अधिक नहीं है जितनी याचिकाकर्ता द्वारा दर्शाई गई है।

## छ.2 प्राधिकारी द्वारा जाँच:

34. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के क्षति संबंधी दावों के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा व्यक्त विचारों को नोट किया है और इन जांच परिणामों में अनंतिम क्षति निर्धारण तथा कारणात्मक संबंध विश्लेषण के प्रयोजनार्थ अनिवार्य कारकों की अनंतिम रूप से जांच की है।

### छ.2.1 क्षति की संचयी जांच

35. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध II(iii) में यह प्रावधान है कि यदि उत्पाद का आयात एक से अधिक देशों के साथ-साथ चल रही पाटनरोधी जांच के अध्यक्षीन हैं तब निर्दिष्ट प्राधिकारी ऐसे आयातों के प्रभाव संचयी आकलन करेगा यदि यह निर्धारित होता है कि:

- I. अलग-अलग देशों से आयात न्यूनतम सीमा से अधिक है अथवा संचयी रूप से आयातों के 7% से अधिक है;
- II. अलग-अलग देशों का पाटन मार्जिन 2% से अधिक है; और
- III. आयातों के प्रभाव का संचयी आकलन आयातित वस्तु तथा समान घरेलू उत्पादों के बीच प्रतिस्पर्धी की स्थितियों में उचित है।

36. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के पाटित आयात, एक ही समय में भारतीय बाजार में प्रवेश कर रहे हैं। अतः इन स्रोतों से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षति के संचयी आकलन के मुद्दे की जांच उपर्युक्त मानदण्डों के आधार पर की गई है और यह देखा गया है कि :-

- (i) प्रत्येक संबद्ध देश की संबद्ध वस्तु का पाटन मार्जिन न्यूनतम सीमा से अधिक है;
- (ii) प्रत्येक संबद्ध देश/क्षेत्र से अलग-अलग वस्तुओं के आयातों की मात्रा निर्धारित सीमा से अधिक है;

558 GI/07-4

- (iii) घरेलू उत्पादों तथा संबद्ध देशों के उत्पादकों द्वारा आपूरित उत्पाद, समान वस्तु हैं;
- (iv) आयातित उत्पाद और घरेलू तौर पर उत्पादित संबद्ध वस्तु प्रतिस्थापनीय है और इन्हें एक दूसरे के स्थान पर प्रयुक्त किया जाता है। विभिन्न देशों से आयातों के संबंध में सौदेवार सूचना से यह प्रदर्शित होता है कि ये आयात भेषजीय उद्योग में वास्तविक प्रयोक्ताओं तथा उन व्यापारियों द्वारा किए जाते हैं जो पुनर्बिक्री हेतु सामग्री की खरीद करते हैं। शामिल देशों द्वारा आपूरित वस्तुएं, वितरण के समान माध्यमों के जरिए भारतीय बाजारों में प्रवेश कर रही है और समान बाजार में प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धा करती है;
- (v) संबद्ध देशों से आपूरित उत्पादों का विपणन भारत में उसी अवधि के दौरान, तुलनीय बिक्री माध्यमों के जरिए तथा समान वाणिज्यिक स्थितियों में किया जा रहा है;
- (vi) संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों में वृद्धि हुई है;
- (vii) संबद्ध देशों में घरेलू उत्पादक तथा निर्यातक उसी श्रेणी के उपभोक्ताओं को उत्पाद की बिक्री कर रहे हैं;
- (viii) संबद्ध देशों से आयातों के कारण बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में अत्यधिक कटौती एवं कम कीमत पर बिक्री हो रही है;

37. प्राधिकारी नोट करते हैं कि डीएसएम न्यूट्रीशनल प्रोडक्ट के इस तर्क को नोट किया है कि चीन से संबद्ध वस्तु का निर्यात स्विटजरलैंड की निर्यात कीमत की तुलना में काफी कम कीमत पर हुआ है और इसलिए भारतीय बाजार में परस्पर प्रतिस्पर्धा मौजूद नहीं है। तथापि अनंतिम निर्धारण के प्रयोजनार्थ इस मुद्दे की आगे और जांच होने तक, घरेलू उद्योग को हुई क्षति का संचयी आकलन किया गया है।

### ड.3 क्षति और कारणात्मक संबंध की जांच

38. पाटनरोधी नियमों के अनुबंध-11 के साथ पठित नियम 11 में यह प्रावधान है कि क्षति निर्धारण में ऐसे कारकों की जांच शामिल होगी जिसे घरेलू उद्योग को क्षति का संकेत मिलता है, "पाटित आयातों की मात्रा, समान वस्तुओं हेतु घरेलू बाजार में कीमतों पर उनके प्रभाव तथा ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव समेत सभी संगत कारकों पर विचार करते हुए ...." कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते हुए, इस बात की जांच करनी आवश्यक है कि क्या भारत में समान वस्तु के मूल्य की तुलना में पाटित आयातों से मूल्यों में पर्याप्त गिरावट आई है अथवा क्या अन्यथा ऐसे आयातों का उद्देश्य मूल्यों को काफी हद तक कम करना है अथवा ऐसी मूल्य वृद्धि को रोकना है जो अन्यथा काफी हद तक बढ़ गई होती।

39. प्राधिकारी नोट करते हैं कि चूंकि विभिन्न क्षमताओं वाले विटामिन-ए पामिटेड के अंतिम उपयोग एक समान होते हैं इसलिए वर्तमान जांच में संबद्ध वस्तुओं के हर क्षमता वाले प्रकारों एवं स्वरूपों को शामिल किया जाएगा। तदनुसार उद्योग की समग्र स्थिति तथा घरेलू उद्योग के भेषजीय व्यापार पर आयातों के प्रभाव को भी संगत सीमा तक जांच की गई है।

40. भारत में घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच करने के लिए प्राधिकारी द्वारा उपर्युक्त नियम के अनुबंध-11 के अनुसार उत्पादन क्षमता, उपयोग, बिक्री मात्रा, स्टॉक, लाभप्रदता, निवल बिक्री प्राप्ति, पाटन की मात्रा एवं मार्जिन जैसे संकेतकों पर विचार किया गया है जो उद्योग की

स्थिति पर प्रभाव डालते हैं। घरेलू उद्योग को प्रभावित करने वाले सभी आर्थिक मानदण्डों जैसे उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री मात्रा इत्यादि जिनका ऊपर उल्लेख किया गया है, की इस खण्ड में जांच की गई है।

41. वर्ष 2001-2002, 2002-2003, 2003-2004 हेतु अनंतिम क्षति जांच आंकड़ों के प्रयोजनार्थ, अप्रैल 2004-सितम्बर 2005 (जांच अवधि) पर विचार किया गया है। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग को अत्यधिक निर्यात कार्यकलापों में संलग्न पाया गया है। तथापि क्षति विश्लेषण के प्रयोजनार्थ, केवल घरेलू बाजार के संबंध में घरेलू उद्योग के निष्पादन का मूल्यांकन किया गया है।

### ड.3.1 पाटित आयातों का मात्रात्मक प्रभाव: आयात मात्रा एवं बाजार हिस्सा

#### क) आयात मात्रा

42. पाटित आयातों की मात्रा के संबंध में, प्राधिकारी द्वारा इस बात पर विचार किया जाना आवश्यक है कि क्या भारत में पाटित आयातों में समग्र रूप में अथवा उत्पादन या खपत की तुलना में अत्यधिक वृद्धि हुई है।

43. याचिकाकर्ता ने आईबीआईएस आंकड़ा स्रोत से संकलित आयात आंकड़े प्रस्तुत किए हैं जिनसे यह प्रदर्शित होता है कि क्षति जांच अवधि के दौरान आयात संबद्ध देशों सहित विभिन्न स्रोतों से किए गए हैं। तथापि, अनंतिम जांच के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने डीजीसीआईएस के आयात आंकड़ों पर विश्वास किया है जिसके अनुसार क्षति विश्लेषण अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु के आयात में अत्यधिक वृद्धि हुई है। यह भी देखा गया है कि विटामिन-ए पामिटेट के आयात विभिन्न क्षमताओं अर्थात् 1.0 तथा 1.7 एमआईयू/ग्राम के तहत सूचित किए गए हैं। चूंकि दोनों क्षमताओं को अनंतिम क्षति विश्लेषण के प्रयोजनार्थ विचाराधीन उत्पाद के अंतर्गत शामिल किया गया है इसलिए उत्पाद के दोनों प्रकारों/क्षमताओं पर विचार किया गया है।

देश	2001-02	2002-03	2003-04	2004-05	जांच अवधि	जांच अवधि वार्षिक
स्विटजरलैंड	2197	2370	1200	1560	3205	2137
प्रवृत्ति	100	108	55	71	146	97
चीन	0	0	2005	1750	7799	5199
प्रवृत्ति	0	0	100	87	389	259
कुल संबद्ध देश	2197	2370	3205	3310	11004	7336
प्रवृत्ति	100	108	146	151	501	334
अन्य	8096	1549	458	25	1315	877
प्रवृत्ति	100	19	6	0	16	11
कुल	10293	3919	3663	3335	12319	8213
प्रवृत्ति	100	38	36	32	120	80

डीजीसीआईएस के आंकड़े

44. उपर्युक्त आंकड़ों से यह पता चलता है कि क्षति जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों में पर्याप्त वृद्धि हुई है। स्विटजरलैंड से आयातों में वर्ष 2003-2004 तक गिरावट के पश्चात वृद्धि हुई है। चीन से आयात वर्ष 2003-2004 के बाद ही शुरू हुए हैं तथा उनमें उसके बाद पर्याप्त वृद्धि हुई है। संबद्ध देशों से आयात मात्रा में वृद्धि, कुल आयातों में वृद्धि की तुलना में काफी अधिक है। इससे यह भी प्रदर्शित होता है कि पिछले वर्ष की तुलना में पाटित आयातों में अत्यधिक उछाल आया है।

**ख) घरेलू उद्योग की क्षमता, उत्पादन तथा क्षमता उपयोग पर वास्तविक एवं संभावित प्रभाव**

45. घरेलू उद्योग के निष्पादन की जांच उसकी क्षमता, उत्पादन और क्षमता उपयोग तथा इन मानदण्डों पर पाटित आयातों के प्रभाव, यदि कोई हो, के संदर्भ में की गई है।

46. घरेलू उद्योग ने संकेत दिया है कि तरल संयंत्र जहां संबद्ध वस्तु का विनिर्माण किया जाता है हेतु उनकी कुल संस्थापित क्षमता सिंगल शिफ्ट आधार पर 110 मी. टन प्रति वर्ष है। तथापि यह नोट किया गया है कि यह स्थापित क्षमता केवल विचाराधीन उत्पाद हेतु नहीं है तथा इस संयंत्र में कम्पनी लगभग 35 विभिन्न उत्पादों का विनिर्माण करती है। मांग के आधार पर अलग-अलग उत्पादों के वर्ष दर वर्ष उत्पादन में अंतर होता है।

47. अतः उत्पादक की क्षमता का मूल्यांकन त्रिपक्षीय संकार्य के आधार पर किया जाता है, जिसके लिए संयंत्र का वास्तव में उपयोग किया जाता है और संयंत्र में विभिन्न उत्पादों के कुल उत्पादन, जिसमें विचाराधीन उत्पाद शामिल है, के आधार पर क्षमता और क्षमता उपयोग का निम्नानुसार निर्धारण किया गया है :-

वर्ष	संस्थापित क्षमता ( कि.ग्रा. )	उत्पादन ( सभी उत्पाद ) ( कि.ग्रा. )	क्षमता उपयोग ( % )
2000-01	100	100	47%
2001-02	100	72	33%
2002-03	100	104	48%
2003-04	100	119	55%
2004-05	100	122	57%
जांच अवधि वार्षिक	100	144	67%

48. उपर्युक्त जांच से पता चलता है कि जांच अवधि के दौरान क्षमता उपयोग जांच अवधि सहित पिछले चार वर्षों में सबसे अधिक है। इसलिए क्षमता उपयोग से घरेलू उद्योग के निष्पादन में गिरावट का संकेत मालूम नहीं होता है।

49. घरेलू उद्योग द्वारा विटामिन-ए पामिटेड के उत्पादन की निम्नानुसार जांच की गई है :-

विटामिन-ए का उत्पादन	2001-02	2002-03	2003-04	2004-05	जांच अवधि वार्षिक
घरेलू बाजार के लिये उत्पादन	*****	*****	*****	*****	*****
प्रवृत्ति	100	135	158	96	126



निर्यात हेतु उत्पादन	*****	*****	*****	*****	*****
कुल उत्पादन	*****	*****	*****	*****	*****
प्रवृत्ति	100	* 135	173	182	212

50. आंकड़ों से यह प्रदर्शित होता है कि यद्यपि घरेलू उद्योग द्वारा संबद्ध वस्तु के कुल उत्पादन में स्थिर वृद्धि प्रदर्शित होती है तथापि, घरेलू बाजार के उत्पादन में वर्ष 2003-2004 तक स्वस्थ वृद्धि प्रदर्शित होने के पश्चात अत्यधिक कमी आयी है।

**ख) घरेलू उद्योग की बिक्रियों और बाजार हिस्से पर वास्तविक एवं संभावित प्रभाव**

51. घरेलू बिक्रियों की मात्रा और घरेलू बिक्रियों पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच घरेलू उद्योग की समग्र बिक्रियों, मांगों और बाजार हिस्सों के अनुसार की गई है :-

बिक्रियाँ	2001-02	2002-03	2003-04	2004-05	जांच अवधि वार्षिक
घरेलू बिक्रियाँ	*****	*****	*****	*****	*****
प्रवृत्ति	100	234	233	106	166
कैप्टिव खपत	*****	*****	*****	*****	*****
प्रवृत्ति	100	57	118	90	100
कैप्टिव खपत सहित घरेलू उद्योग की बिक्रियाँ	*****	*****	*****	*****	*****
प्रवृत्ति	100	128	164	97	127

52. उपर्युक्त आंकड़ों से यह प्रदर्शित होता है कि घरेलू उद्योगों की घरेलू बिक्रियों और कुल बिक्रियों में वर्ष 2003-2004 तक अत्यधिक वृद्धि होने के बाद अत्यधिक गिरावट आयी है।

विटामिन-ए की मांग	2001-02	2002-03	2003-04	2004-05	जांच अवधि वार्षिक
कैप्टिव खपत सहित घरेलू उद्योग की बिक्रियाँ	*****	*****	*****	*****	*****
प्रवृत्ति	100	128	164	97	127
कुल आयात	10293	3919	3663	3335	8213
प्रवृत्ति	100	38	36	32	80
कुल घरेलू मांग	*****	*****	*****	*****	*****
प्रवृत्ति	100	96	119	74	110

53. उपर्युक्त आंकड़ों से यह प्रदर्शित होता है कि हालांकि संबद्ध वस्तु की मांग में स्थिर वृद्धि प्रदर्शित होती है तथापि, घरेलू उद्योग की बिक्रियों में वर्ष 2003-2004 तक अत्यधिक वृद्धि होने के बाद अत्यधिक गिरावट आई। घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में भी इसी प्रकार की प्रवृत्ति प्रदर्शित होती है।

558 GI/07-5

बाजार हिस्सा	2001-02	2002-03	2003-04	2004-05	जांच अवधि वार्षिक
घरेलू उद्योग	100	132	137	131	114
स्विट्जरलैंड	100	100	38	88	125
चीन	—	—	100	167	550
अन्य देश	100	21	4	0	14

54 प्राधिकारी नोट करते हैं कि यूरोपीय संघ से आयातित संबद्ध वस्तु पर वर्ष 2003-2004 तक पाटनरोधी शुल्क लागू था। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि चीन जन.गण. से पाटित आयातों ने वर्ष 2004-2005 से अत्यधिक मात्राओं में भारतीय बाजार में प्रवेश करना शुरू किया है। अतः वर्ष 2003-2004 के बाद घरेलू उद्योग की बिक्रियों और बाजार हिस्से में गिरावट इन स्रोतों से पाटन के कारण है।

55 उपर्युक्त विश्लेषण से पता चलता है कि संबद्ध देशों से पाटित आयातों में समग्र रूप से और भारत में आयातों, भारत में उत्पादन और भारत में खपत के संबंध में भी वृद्धि हुई है। यह भी देखा गया है कि आयातों की मात्रा में मांग में वृद्धि से अधिक बढ़ोतरी हुई है। दूसरे शब्दों में आयातों में वृद्धि की दर मांग में वृद्धि की दर से अधिक थी।

### ड.3.2 पाटित आयातों के कीमत प्रभाव

56 कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में प्राधिकारी के लिए इस बात पर विचार करना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों से भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में अत्यधिक कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों का प्रभाव अन्यथा कीमतों को महत्वपूर्ण सीमा तक कम करना अथवा कीमत में वृद्धि को रोकना था जो अन्यथा एक महत्वपूर्ण सीमा तक हो गई होती। इस संबंध में प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की निवल बिक्री वसूली का निर्धारण करें एवं शुल्कों, छूटों, कटौतियों एवं कमीशनों और मालभाड़े एवं परिवहन को छोड़कर बिक्री कीमत पर विचार करके किया है। आयातों की पहुँच कीमत का निर्धारण 1% पतन प्रभाव और लागू मूल सीमाशुल्क के साथ भारत औसत सीआईएफ आयात कीमत पर विचार करके किया गया है। तदनुसार, पाटित आयातों की कीमत प्रभावों का निम्नानुसार विश्लेषण किया गया है :-

#### (क) कीमत कटौती और कम कीमत पर बिक्री

57. प्राधिकारी ने करें एवं शुल्कों, छूटों, कटौतियों एवं कमीशनों तथा मालभाड़े एवं परिवहन को छोड़कर बिक्री कीमत पर विचार करके घरेलू उद्योग की निवल बिक्री वसूली का अंतिम रूप से निर्धारण किया है। आयातों की पहुँच कीमत का निर्धारण 1% पतन प्रभाव और लागू मूल सीमाशुल्क के साथ भारत औसत सीआईएफ आयात कीमत पर विचार करके किया गया है।

58 घरेलू उद्योग की निवल बिक्री वसूली में इस अवधि के दौरान गिरावट आई है जैसाकि निम्नलिखित तालिका में दर्शाया गया है। यह देख जाता है कि निवल बिक्री वसूली में क्षति अवधि के दौरान अत्यधिक गिरावट आई है।

इस बात की जाँच करने के लिए कि क्या पाटित आयातों का घरेलू उद्योग पर अत्यधिक कीमत कटौती प्रभाव पड़ा है, घरेलू उद्योग की निवल बिक्री वसूली की पाटित आयातों के पहुँच मूल्य के साथ तुलना की गई थी। पाटित आयातों के कम कीमत पर बिक्री संबंधी प्रभाव का निम्नानुसार निर्धारण करने के लिए पाटित आयातों के पहुँच मूल्य की संबद्ध वस्तु की क्षतिरहित कीमत के साथ भी तुलना की गई थी।

	2001-02	2002-03	2003-04	2004-05	जाँच अवधि वार्षिक
बनाने और बिक्री करने की लागत	*****	*****	*****	*****	*****
निवल बिक्री वसूली	*****	*****	*****	*****	*****
पहुँच मूल्य					
स्विटजरलैंड	4014.15	3982.98	3889.60	3842.42	3801.63
चीन	0.00	0.00	3402.25	3284.27	3462.21
संबद्ध देश	4014.15	3982.98	3584.72	3547.32	3561.07
कीमत कटौती					
स्विटजरलैंड	*****	*****	*****	*****	5-15%
चीन	*****	*****	*****	*****	15-25%
संबद्ध देश	*****	*****	*****	*****	10-20%
क्षति रहित कीमत	*****	*****	*****	*****	*****
कीमत कटौती					
स्विटजरलैंड					5-15%
चीन					15-25%
संबद्ध देश					10-20%

59. उपर्युक्त आंकड़ों से संकेत मिलता है कि संबद्ध देशों से आयातों की पहुँच कीमत घरेलू उद्योग की निवल बिक्री वसूली और क्षतिरहित कीमत से अत्यधिक कम रही है जिसके परिणामस्वरूप अत्यधिक कीमत कटौती और कम कीमत पर बिक्री हुई।

**ख) कीमत ह्रास और मंदी**

60. घरेलू कीमतों पर पाटित आयातों के कीमत ह्रास संबंधी प्रभाव की जांच करने के लिए घरेलू उद्योग की निवल बिक्री वसूली की प्रवृत्ति की उत्पादन लागत के साथ तुलना की गई है। आंकड़ों से संकेत मिलता है कि हालांकि क्षति अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु की उत्पादन लागत में कमी आयी है तथापि, बिक्री वसूली में गिरावट उत्पादन लागत में गिरावट से बहुत अधिक है। अतः यह मालूम होता है कि पाटित आयातों के कीमत प्रभाव के कारण घरेलू उद्योग के अपना बाजार हिस्सा बनाये रखने के लिए अपनी कीमतें कम रखने के लिए बाध्य हुआ है।

61. उपर्युक्त विश्लेषण से पता चलता है कि पाटित आयातों समग्र रूप से और बाजार हिस्सा दोनों रूप में पाटित आयतों की मात्रा में वृद्धि के लिहाज से और घरेलू बाजार की कीमतों को कम करके और इसके बाजार हिस्से में कमी करके घरेलू उद्योग पर मात्रा और कीमत संबंधी प्रतिकूल पड़ा है।

**ड.3.3 क्षति संबंधी अन्य कारकों की जाँच**

62. क्षति संबंधी कुछेक कारकों अर्थात् वास्तविक एवं संभावित गिरावट क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग बिक्रियाँ और बाजार हिस्सों की आयातों की मात्रा में वास्तविक एवं संभावित वृद्धि के साथ पूर्ववर्ती खंड में जांच की गई थी और यह नोट किया गया था कि

(क) घरेलू उद्योग के उत्पादन में वर्ष 2003-2004 तक अत्यधिक बढ़ोतरी होने के बाद क्षति अवधि के दौरान कमी आयी है। घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तु की मांग में वृद्धि के बावजूद उत्पादन में कमी आयी है। दूसरे शब्दों में घरेलू बाजार में अच्छी मांग के बावजूद घरेलू उद्योग को उस सीमा तक उत्पादन बढ़ाने से रोका गया है जिस सीमा तक वह बढ़ा सकता था।

(ख) यद्यपि घरेलू उद्योग के पास संबद्ध वस्तु का उत्पादन करने और घरेलू बाजार में इसकी बिक्री करने की क्षमता है लेकिन घरेलू उद्योग क्षमताओं का पर्याप्त रूप से उपयोग करने में सक्षम नहीं रहा है।

(ग) घरेलू उद्योग की बिक्रियों में वर्ष 2003-2004 तक अच्छी वृद्धि के बाद भारी गिरावट आई है जिसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में भी कमी आयी। अतः यह देखा जाता है कि यद्यपि घरेलू उद्योग माँग में वृद्धि के अनुसार अपनी बिक्रियों में वृद्धि करने में सक्षम नहीं था, तथापि बिक्रियों में ऐसी गिरावट माँग में वृद्धि के अनुपात में नहीं थी।

## (क) लाभ पर वास्तविक एवं संभाव्य प्रभाव

63 घरेलू बाजार में संबद्ध माल की बिक्रियों से घरेलू उद्योग द्वारा अर्जित लाभ निम्नानुसार रहे थे:-

वर्ष	निर्माण एवं बिक्री लागत प्रति एम टी (रुपए)	बिक्री कीमत/एम टी (रुपए)	लाभ/हानि प्रति एम टी (रुपए)
2001-2002	100	100	(100)
2002-2003	83	104	247
2003-2004	65	92	145
2004-2005	65	85	(352)
जांच अवधि (वार्षिकीकृत)	58	85	(155)

64 यह देखा गया है कि घरेलू उद्योग को अपनी घरेलू बिक्रियों में पर्याप्त हानि हुई है और इस अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के घटते उत्पादन और घटती हुई बिक्री मात्राओं से स्पष्ट है कि घरेलू उद्योग लाभ की स्थिति से वित्तीय हानि की स्थिति में पहुँच गया है।

## (ख) रोजगार एवं मजदूरी पर वास्तविक एवं संभाव्य प्रभाव

65 जहाँ तक रोजगार एवं मजदूरी का संबंध है, घरेलू उद्योग की क्षति के संकेतक के रूप में रोजगार स्तर में कोई पर्याप्त कमी नहीं आई है। तथापि, प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग इस संयंत्र में कई उत्पादों का उत्पादन करता है और विचाराधीन उत्पाद के लिए कर्मचारियों की कोई संख्या निश्चित नहीं है। इसलिए, कंपनी के समूचे रोजगार एवं मजदूरी को देखने से यह प्रदर्शित होता है कि कर्मचारियों की संख्या में कमी की गई है जबकि मजदूरी पर हुए खर्चों में पर्याप्त वृद्धि हुई है।

वर्ष	कर्मचारियों की संख्या	मजदूरी (लाख रुपए में) (1.7)
2001-2002	100	100
2002-2003	100	31
2003-2004	99	37
2004-2005	95	44
जांच अवधि (वार्षिकीकृत)	93	45

558 GI/07-6

## (ग) उत्पादकता पर वास्तविक एवं संभाव्य प्रभाव

66. इकाई की कुल तरल उत्पादन के संदर्भ में श्रम उत्पादकता यह दर्शाती है कि उत्पादकता में पर्याप्त सुधार आया है।

वर्ष	कुल उत्पादन (सभी तरल) कि.ग्रा.	कर्मचारियों की संख्या	उत्पादकता
2001-2002	100	100	100
2002-2003	72	100	145
2003-2004	104	99	168
2004-2005	119	95	178
जांच अवधि वार्षिकीकृत	122	93	216

67 तथापि, उत्पादकता में सुधार घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में परिवर्तित नहीं हुआ है। यह पाया जाता है कि हालांकि घरेलू उद्योग की उत्पादकता में काफी सुधार हुआ है जिससे घरेलू उद्योग की प्रति इकाई उत्पादन लागत, लाभ में काफी गिरावट आई है, इससे बिक्री कीमतों में गिरावट के कारण लाभ की स्थिति हानि में बदल गई।

## (घ) नकद प्रवाह पर वास्तविक एवं संभाव्य प्रभाव और लगाई गई पूंजी पर प्राप्ति

विटामिन - ए पामिटेड	2001-02	2002-03	2003-04	2004-05	जांच अवधि वार्षिकीकृत
घरेलू बिक्रियों पर लाभ	(****)	****	****	(****)	(****)
प्रवृत्ति	(100)	646	372	(494)	(754)
नकद लाभ घरेलू उत्पादन	****	****	****	****	****
घरेलू उत्पादन के लिए/एम टी	****	****	****	****	****
नकद लाभ - रुपये					
लगाई गई पूंजी (लाख में)	****	****	****	****	****
प्रवृत्ति	100	212	248	280	322
लगाई गई पूंजी पर लाभ (%)	(****)	****	****	(****)	(****)
प्रवृत्ति	(100)	305	93	(741)	(698)

68 उपरोक्त आंकड़े दर्शाते हैं कि नकद प्रवाह और लगाई गई पूंजी पर प्राप्त आय में मध्यवर्ती अवधि में पर्याप्त सुधार आने के बावजूद काफी गिरावट आई है।

## (ड.) माल-सूची

69 घरेलू उद्योग की स्टॉक स्थिति की अनंतिम जांच यह दर्शाती है कि जांच अवधि के अंत तक खपत एवं निर्यात बिक्रियां होने के बावजूद घरेलू उद्योग में वृद्धि हुई है।

वर्ष	प्रारंभिक स्टॉक एम टी	अंतिम स्टॉक एम टी
2001-2002	****	****
2002-2003	****	****
2003-2004	****	****
2004-2005	****	****
जांच अवधि वार्षिकीकृत	****	****

## (च) वृद्धि

70 अनंतिम जांच यह संकेत देती है कि यद्यपि मांग में पर्याप्त वृद्धि हुई है लेकिन उत्पादन, बिक्रियां, बाजार हिस्से, लाभ, नकद प्रवाह तथा निवेश पर आय, जैसे मानदण्ड घरेलू उद्योगों के कार्य निष्पादन में पर्याप्त कमी दर्शाते हैं।

## (छ) नए निवेश जुटाने की क्षमता

71 प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों के कारण जांच अवधि में संबद्ध वस्तु में कोई नए निवेश नहीं किए हैं। तथापि, यह पाया गया है कि घरेलू उद्योग के वित्तीय निष्पादन में पर्याप्त हास हो रहा है जिसका नया पूंजी निवेश करने संबंधी उसके भावी क्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

## (ज) पाटन मार्जिन का स्तर

72 संबद्ध देशों से क्षति के संकेतकों के रूप में अनंतिम पाटन मार्जिन पर्याप्त एवं न्यूनतम से ज्यादा पाया गया है।

## ड.3.4 समग्र आकलन

73 इन कारकों के उपरोक्त विश्लेषण दर्शाते हैं कि घरेलू उद्योग में इस उत्पाद की अच्छी मांग है, लेकिन उसमें उत्पादकता में सुधार और उत्पादन लागत में कमी के बावजूद उद्योग को उत्पादन में कमी और बिक्री, कम निवल बिक्री वसूली, अपेक्षित अधिक निर्मित माल-सूची, निवेश पर नकारात्मक अथवा कम आय और लाभ के कारण क्षति होती है। हुई क्षति वास्तविक एवं पर्याप्त है। इसलिए, इच्छुक पक्षकारों का यह तर्क कि घरेलू उद्योग को कोई वास्तविक क्षति नहीं हुई है, वैध प्रतीत नहीं होता है।

## ड.4 कारणात्मक संबंध

74 वास्तविक क्षति होने और कीमत कटौती, कम दाम पर बिक्री तथा कीमत दबाव तथा मंदी के प्रभावों के संबंध में पाटित आयातों की मात्रा तथा कीमत प्रभावों की जांच करने के बाद प्राधिकारी ने इस बात की भी जांच की है कि क्या पाटनरोधी संबंधी कथार एवं भारतीय नियम के तहत सूचीबद्ध

अन्य संकेतात्मक कारकों की वजह से घरेलू उद्योग को हुई क्षति में सहायता मिली है। अतः निम्नलिखित कारकों की जांच की गई है:-

- (क) तीसरे देशों से आयात - ऐसे देशों के आयात, जो इस जांच में शामिल नहीं हैं, या तो कम रहे हैं क्योंकि उनमें से कुछ नमूना बिक्रियां थीं न कि वाणिज्यिक बिक्रियां, अथवा संबद्ध देशों की आयात कीमतों की तुलना में अधिक कीमतों पर हुए हैं और इसलिए उनका घरेलू उद्योग की कीमतों पर प्रभाव नहीं पड़ता है;
- (ख) मांग में कमी - संबद्ध माल की मांग में क्षति जांच अवधि के दौरान काफी वृद्धि हुई है। अतः मांग में संभावित कमी घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण नहीं बन सकती है;
- (ग) खपत का पैटर्न - किसी भी इच्छुक पक्षकार द्वारा खपत के पैटर्न में किसी ज्यादा बदलाव का आरोप नहीं लगाया गया है;
- (घ) प्रतिस्पर्धा की शर्तें - इस माल का मुक्त रूप से आयात किया जा सकता है। याचिकाकर्ता संबद्ध माल का प्रमुख उत्पादक है क्योंकि अन्य अर्थक्षम उत्पादकों ने या तो उत्पादन बंद कर दिया है अथवा वे संबद्ध माल के व्यापारी बन गए हैं। अतः घरेलू प्रतिस्पर्धा घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण नहीं बन सकती है। प्रतिस्पर्धा की शर्तों अथवा व्यापार प्रतिबंधात्मक पद्धतियों का कोई भी साक्ष्य प्राधिकारी के संज्ञान में नहीं लाया गया है।
- (ङ) प्रौद्योगिकी में विकास - प्रौद्योगिकी में किसी खास बदलाव का आरोप नहीं लगाया गया है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति होती। किन्तु, प्रौद्योगिकीय अंतर के कारण घरेलू उद्योग को किसी लागत हानि का दावा नहीं किया गया है।
- (च) घरेलू उद्योग का निर्यात निष्पादन

निर्यात	2001-2002	2002-2003	2003-2004	2004-2005	अप्रैल, 2004 से सितम्बर
एम टी में	-	-	****	****	****

घरेलू उद्योग की निर्यात बिक्री काफी है और यह काफी वृद्धि दर्शाती है लेकिन निर्यात से लाभप्रदता नकारात्मक रही है। तथापि, क्षति विश्लेषण के लिए घरेलू तथा निर्यात बाजार की कीमत तथा लाभप्रदता को अलग-अलग कर दिया गया। और, यदि कंपनी के निर्यात निष्पादन की वजह से कोई क्षति हुई है तो इसका कारण पाटित आयात नहीं बन सकते हैं।



(छ) **उत्पादकता** - कुल उत्पादन तथा प्रति कर्मचारी उत्पादकता के रूप में घरेलू उद्योग की उत्पादकता में सुधार हुआ है। अतः इसे घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण नहीं माना जा सकता।

75. प्राधिकारी नोट करते हैं कि अन्य हितबद्ध पक्षों ने तर्क प्रस्तुत किया है कि घरेलू उद्योग को हुई क्षति सरकार द्वारा कीमत निर्धारण एवं कर नीतियों के कारण हुई है और पाटित आयातों से इसका कोई संबंध नहीं है। तथापि उपर्युक्त जांच यह दर्शाती है कि संबद्ध वस्तुओं की आयात कीमतें, कीमत विनियामक प्राधिकरण द्वारा निर्धारित कीमत से बहुत कम हैं।

76. उपर्युक्त गैर-निर्धारण विश्लेषण यह दर्शाता है कि घरेलू उद्योग को पाटित आयातों के अलावा अन्य किसी भी कारक ने प्रभावित नहीं किया है। संबद्ध देशों से हुए पाटित आयातों ने मात्रा व कीमत प्रभाव के माध्यम से घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति पहुँचाई है।

#### ड.5 कारणात्मक संबंध को स्थापित करने वाले कारक

77. क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन की अनंतिम जांच यह दर्शाती है कि संबद्ध देशों से हुए पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन को वास्तविक क्षति पहुँची है। अतः पाटित आयातों और घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बीच कारणात्मक संबंध को निम्नलिखित कारणों से स्थापित किया जा सकता है:-

1. पाटित आयात कीमतों तथा उनके परिणामस्वरूप संबद्ध देशों से आयातों के पहुँच मूल्य के कारण कीमत कटौती हुई है। इसके प्रत्यक्ष परिणाम के रूप में घरेलू उद्योग कीमतें कम करने पर बाध्य हो गया है।

2. घरेलू उद्योग द्वारा बिक्री कीमतों में कमी का दुष्प्रभाव बिक्री की मात्रा, निवल बिक्री प्राप्तियों, उत्पादन, लाभ, नकद प्रवाह तथा कंपनी द्वारा नियोजित पूंजी से प्राप्त आय पर भी पड़ा।

3. यद्यपि घरेलू उद्योग ने आयात कीमतों में कमी का सामना किया, तथापि उल्लेखनीय सकारात्मक कीमत कटौती के कारण संबद्ध देशों से आयातों के बाजार हिस्से में वृद्धि हुई। इसके प्रत्यक्ष परिणाम के रूप में घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आई।

4. उल्लेखनीय कीमत कटौती होने और इसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आने से इसका क्षमता उपयोग पहले के स्तर पर नहीं पहुँच सका।

5. मांग में वृद्धि और घरेलू उद्योग द्वारा विक्रय कीमतों में कमी के बावजूद आयातों की पहुँच कीमतों में उल्लेखनीय कमी के कारण घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आई। इससे घरेलू उद्योग की वृद्धि धीमी हो गई।

78. अतः प्राधिकारी अनंतिम रूप से इस निष्कर्ष पर पहुँचते हैं कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है और यह क्षति संबद्ध देशों/भू-भागों से हुए पाटित आयातों के कारण हुई है।

### च. क्षति की मात्रा एवं क्षति मार्जिन

79. प्राधिकारी द्वारा निर्धारित क्षति रहित कीमत की तुलना, क्षति मार्जिन के निर्धारण हेतु निर्यातों के पहुँच मूल्य से की गई। संबद्ध देशों से निर्यातों की भारत औसत पहुँच कीमत एवं क्षति मार्जिन की गणना निम्नानुसार की गई है:-

देश/भू-भाग	निर्यातक	क्षति मार्जिन %
स्विटजरलैंड	डी एस एम न्यूट्रिशनल उत्पाद	5-15%
स्विटजरलैंड	अन्य सभी	5-15%
चीन जन. गण.	सिनकेम के साथ एन एच यू	15-25%
चीन जन. गण.	अन्य सभी	55-65%

### छ. निष्कर्ष

80. हितबद्ध पक्षों द्वारा उठाए गए मुद्दों एवं किए गए प्रस्तुतीकरण और प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत तथ्यों, जिन्हें इस जांच में रिकार्ड किया गया है, की जांच के उपरान्त प्राधिकारी अनंतिम रूप से इस निष्कर्ष पर पहुँचे हैं कि:-

- सम्बद्ध वस्तुएं भारतीय बाजार में निर्यातक देशों के घरेलू बाजार के सामान्य मूल्यों से कम कीमतों पर प्रविष्ट हुई हैं;
- सम्बद्ध देशों/भू-भागों से आयातित सम्बद्ध वस्तुओं का पाटन मार्जिन उल्लेखनीय तथा न्यूनतम स्तर से अधिक है;
- घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है; और
- सम्बद्ध देशों के मूल की अथवा वहाँ से निर्यातित सम्बद्ध वस्तुओं के पटित आयातों की मात्रा तथा कीमत प्रभाव, दोनों से घरेलू उद्योग को क्षति हुई है।

### ज. भारतीय उद्योग का हित एवं अन्य मुद्दे

81. प्राधिकारी नोट करते हैं कि सामान्यतः पाटनरोधी शुल्कों का उद्देश्य पाटन की अनुचित व्यापार पद्धति के कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षति को दूर करना है, ताकि भारतीय बाजार में खुली व निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा की स्थिति को पुनः स्थापित किया जा सके, जो देश के सामान्य हित में है। पाटनरोधी उपाय लागू करने से संबद्ध देश से आयातों पर किसी भी प्रकार का प्रतिबंध नहीं लगेगा, अतः उपभोक्ताओं के लिए इस उत्पाद की उपलब्धता भी प्रभावित नहीं होगी।

### झ. सिफारिशें

82. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच शुरू करके इसकी अधिसूचना सभी हितबद्ध पक्षों को दे दी गई थी और निर्यातकों, आयातकों एवं अन्य हितबद्ध पक्षों को पाटन, क्षति तथा कारणात्मक संबंधों के बारे में सकारात्मक सूचना उपलब्ध कराने के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान किए गए थे। निर्धारित

नियमावली की शर्तों के अनुसार पाटन, क्षति एवं पाटन तथा घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बीच संबंधों की जांच करने तथा संबद्ध देशों के विरुद्ध सकारात्मक पाटन मार्जिन अनंतिम रूप से स्थापित करने और इस निष्कर्ष पर पहुँचने के बाद कि ऐसे पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है, प्राधिकारी का यह अभिमत है कि जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग को हो रही क्षति के निवारण के लिए अनंतिम उपाय अपेक्षित है।

**83.** अतः प्राधिकारी संबद्ध देशों/भू-भागों से संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर नीचे उल्लिखित प्रकार व रूप में अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाना आवश्यक समझते हैं और इसकी सिफारिश करते हैं।

**84.** प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए लघु शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए, प्राधिकारी पाटन की लघु मार्जिन तथा क्षति मार्जिन के तुल्य अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं, ताकि घरेलू उद्योग की क्षति को दूर किया जा सके। तदनुसार संबद्ध देशों/भू-भागों के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के सभी आयातों पर केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से इसके साथ संलग्न शुल्क तालिका के कॉलम 9 में उल्लिखित राशियों के बराबर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की जाती है।

#### (अ) आगे की प्रक्रिया

**85.** प्रारंभिक जांच परिणामों को अधिसूचित करने के बाद निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई जाएगी:

(क) प्राधिकारी सभी हितबद्ध पक्षों से इन जांच परिणामों पर टिप्पणियाँ आमंत्रित करेंगे और उन पर अंतिम जांच परिणामों में विचार किया जाएगा;

(ख) प्राधिकारी द्वारा ज्ञात निर्यातकों, आयातकों, याचिकाकर्त्ता तथा अन्य हितबद्ध पक्षों को अलग से लिखा जा रहा है जो प्रारंभिक जांच परिणामों की तारीख से 40 दिनों के भीतर अपने विचार प्रस्तुत कर सकते हैं। कोई अन्य हितबद्ध पक्ष भी अपने विचार इन जांच परिणामों के प्रकाशन की तारीख से 40 दिनों के भीतर प्रस्तुत कर सकता है।

(ग) प्राधिकारी आवश्यक समझी गई सीमा तक आगे सत्यापन करेंगे।

(घ) प्राधिकारी अंतिम जांच परिणामों की घोषणा करने से पहले आवश्यक तथ्यों को प्रकट करेंगे।

## शुल्क तालिका

उप-शीर्ष	वस्तुओं का विवरण	का विनिर्देशन	उद्गम देश	निर्यात देश	उत्पादक	निर्यातक	राशि	माप की इकाई	मुद्रा
(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)
293621	विटामिन - ए पामितेट	कोई	स्विट्जरलैंड	कोई	डी एस एम न्यूट्रिशनल उत्पाद	डी एस एम एशिया पैसिफिक पी टी एस लि., सिंगापुर	6.574	किग्रा.	अमरीकी डालर
-वही-	-वही-	कोई	स्विट्जरलैंड	चीन से	उपर्युक्त से इतर	कोई	8.75	किग्रा.	अमरीकी डालर
-वही-	-वही-	कोई	चीन से	स्विट्जरलैंड	कोई	कोई	8.75	किग्रा.	अमरीकी डालर
-वही-	-वही-	कोई	चीन गण	जान	कोई	कोई	14.94	किग्रा.	अमरीकी डालर
-वही-	-वही-	कोई	चीन गण	जान	कोई	कोई	26.5	किग्रा.	अमरीकी डालर
-वही-	-वही-	कोई	चीन गण	जान	कोई	कोई	26.5	किग्रा.	अमरीकी डालर

क्रिस्टी एल. फेर्नान्डेज, निर्दिष्ट प्राधिकारी

**MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**  
**(Department of Commerce)**  
**(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)**  
**NOTIFICATION**

New Delhi, the 20th February, 2007

**Preliminary Findings**

**Subject :—Anti-Dumping investigation concerning imports of Vitamin-A Palmitate originating in or exported from Switzerland and China PR.**

**No.14/11/2005-DGAD.**— Having regard to the Customs Tariff Act 1975 as amended in 1995 (hereinafter referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, (hereinafter referred to as the Rules) thereof:

2. WHEREAS M/s. Nicholas Piramal India Ltd. (herein after referred to as the Applicant) has filed an application before the Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority), in accordance with the Act, 1975 and Rules, alleging dumping of Vitamin A Palmitate (herein after referred to as subject good), originating in or exported from Switzerland and China PR (herein after referred to as subject countries) and requested for initiation of Anti Dumping investigations for levy of anti dumping duties on the subject goods.

3. AND WHEREAS, the Authority, on the basis of sufficient evidence submitted by the petitioner M/s. Nicholas Piramal India Ltd. on behalf of the domestic industry, issued a public notice dated 23<sup>rd</sup> March, 2006 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating Anti-Dumping investigations concerning imports of the subject goods, originating in or exported from the subject countries/territories, in accordance with the sub-Rule 5(5) of the Rules, to determine the existence, degree and effect of alleged dumping and to recommend the amount of antidumping duty, which if levied would be adequate to remove the injury to the domestic industry.

558 GI/07-8

**A. Procedure**

4. Procedure described below has been followed with regard to this investigation after issuance of the public notice notifying the initiation of the above investigation by the Authority.
- (i) The Designated Authority sent copies of initiation notifications dated 23<sup>rd</sup> March, 2006 to the Embassies of the subject countries in India, known exporters from the subject countries/territories, importers and the domestic industry as per the information available with it and requested them to file questionnaire responses and make their views known in writing within 40 days of the initiation notification.
  - (ii) Copies of the non-confidential version of the petition filed by the domestic industry were made available to the known exporters and the Embassies/High Commissions of the subject countries in accordance with Rules 6(3) supra.
  - (iii) The Embassies of the subject countries/territories in New Delhi were informed about the initiation of the investigations in accordance with Rule 6(2) with a request to advise the exporters/producers from their countries to respond to the questionnaire within the prescribed time. A copy of the letter, petition and questionnaire sent to the exporter was also sent to the Embassies of the subject countries along with a list of known exporters/producers.
  - iv) The Authority sent questionnaire, to elicit relevant information, to the known exporters from subject countries in accordance with the rule 6(4):-
  - v) In response to the above notification the following exporters from the subject countries filed their questionnaire responses.
    - a) M/s DSM Nutritional Products, Switzerland;
    - b) M/s Zhejiang NHU Company Limited (NHU), China PR; and
    - c) M/s Synchem International Co. Ltd. (Synchem), China PR
  - vi) Questionnaires were sent to known importers and Consumers of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4). However, only M/s Hexagon Nutrition Pvt. Ltd., Mumbai has filed responses to the initiation of the investigation. The views of the above interested parties, to the extent they are relevant have been taken on record and examined by the Authority at appropriate places.
  - vii) Request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to arrange details of imports of subject goods for the past three years, and the period of investigation;

- viii) The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties;
- ix) Optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India based on the information furnished by the petitioner on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) has been provisionally worked out so as to ascertain whether Anti-Dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to Domestic Industry;
- x) \*\*\* in this Notification represents information furnished by the petitioner on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules;
- (xi) Investigation was carried out for the period starting from 1<sup>st</sup> April 2004 to 30<sup>th</sup> September 2005 (POI).

#### **C. Product under Consideration and Like Article**

5. The product involved in the current investigation is Vitamin A Palmitate. Vitamin A Palmitate is available in various strengths viz. Vitamin A Palmitate 1.7, and Vitamin A Palmitate 1.0. Vitamin A Palmitate 1.7 is being dumped in India from People's Republic of China and Switzerland. The production process, physical and chemical characteristics of both the products are similar and the products are substitutable and can be interchangeably used. Since Vitamin A Palmitates of various strengths have the same end use, the present investigations shall cover Vitamin A Palmitate 1.7, and Vitamin A Palmitate 1.0 (herein after termed as the "subject goods") in all its strengths and forms. The product is classified under heading No. 293621.00 in Chapter 29 of the First Schedule to the said Customs Tariff Act and ITC HS Classification. This classification however, is indicative only and in no way binding on the scope of the present investigation.

#### **D. Standing of the Domestic Industry and initiation of the investigation**

6. The application has been filed by M/s Nicholas Piramal India Ltd. The applicant is the sole known producer of subject goods in India and accounts for complete production of subject goods in India. The petitioner, therefore, satisfies the standing to file the present petition and constitutes domestic industry within the meaning of the Rules.

**E. Other submissions and issues raised:****E.1 Domestic Industry**

7. The domestic industry has submitted that the dedicated customs heading for the subject goods is 293621.00 but there are other types of vitamins, which are not the subject goods under consideration. Since there are other types of vitamins, which are not within the purview of this investigation, petitioner has submitted import information compiled from transaction wise information on imports provided by International Business Information Service (IBIS), Mumbai. They have also submitted that dumping has intensified after initiation of the investigation and a preliminary determination and provisional duty is essential in view of continued injury suffered by them.

8. The Domestic Industry has also submitted that the exporters have failed to fulfill their obligation under the applicable anti-dumping provisions by not providing the meaningful summary of the response to the exporter's questionnaire. The exporters have claimed excessive confidentiality without providing any reasons and some parts of the Questionnaire are incomplete and deficient. Further, Non-confidential version of the questionnaire response has not been given for all the information contained in the confidential version. It has been argued that it was obligatory for the exporter to give proper statement of reasons as to why confidentiality was claimed and why summarization was not possible for certain information. This has resulted in depriving the Domestic Industry of a legitimate right to make effective submissions as contemplated under the provisions relating to confidentiality.

9. The domestic industry has also submitted that China is a non-market economy and has been treated so by European Commission and USA in the past three years. In India, the Designated Authority has treated China as non-market economy practically in all the investigations initiated after the amendment dated 31.5.2002. Therefore, China is a non-market economy and market economy status treatment cannot be granted to the Chinese producers.

**E.2 Importers**

10. M/s Hexagon Nutrition Pvt. Ltd., in its submission, has argued that Switzerland has maintained its price level of US\$70/- per Kg in the last 3 years, whereas China has reduced its price from US\$66/- to the current export price of US\$56/-. They have also argued that Nicholas Piramal has exported the subject goods at a price much lower than the price at which the subject goods have been exported from Switzerland.

11. They have further argued that cost effective availability of this product is essential as several charitable organizations are funding projects in India for vitamin supplements to fight wide spread vitamin deficiency. Imposition of ADD



would lead to monopolizing situation for NPIL and the consumers have to bear the burden of higher price due to antidumping duty.

### E.3 Exporters

12. M/s DSM Nutritional Products (DNP), in its preliminary submissions, has argued that DNP does not pursue a policy of dumping its products on the Indian market and the facts and figures provided in the response to the Questionnaire will prove that at the prices charged by DNP for export to India, no material injury is caused to the Petitioner that might justify the imposition of an anti-dumping duty. It has been argued that the purchasing powers and market structures, in Switzerland and in India, are entirely different, as are the volumes of products sold per transaction – an element which has a direct effect on sales price. Sales to the EU market more closely resemble the characteristics of the export sales to India than sales to the Swiss market, and the prices that can be achieved in that market are comparable as well. It has been submitted that DNP always sells the products concerned above the costs of production, regardless of the destination of the products and the Petitioner has grossly over-estimated DNP's sales prices in Switzerland and also significantly under-estimated ex-factory export prices.

13. It has been further submitted that imposition of an anti-dumping duty on imported products from Switzerland would not be justified under WTO rules due to the lack of material injury caused by DNP and would lead to recreating the monopoly in India that the Petitioner was able to establish for itself in 2003 and the first half of 2004 following the imposition of duties on imported products from Singapore, Georgia and the EU. This will inevitably result in higher sales prices to Indian customers and harm the Indian economy.

## F. Determination of Dumping and Dumping Margins

### F.1 China PR

14. The Authority, notes that in the past three years China PR has been treated as a non-market economy country in the anti-dumping investigations by WTO members such as EU and USA. Therefore, in terms of para 8 (2) of the annexure 1 of AD rules, for the purpose of provisional assessment of the normal value, China PR has been treated as a non-market economy country.

15. As per Paragraph 8, Annexure I to the Anti Dumping Rules as amended, the presumption of a non-market economy can be rebutted if the exporter(s) from China provide information and sufficient evidence on the basis of the criteria specified in sub paragraph (3) in Paragraph 8 and prove the contrary. The cooperating exporters/producers of the subject goods from People's Republic of China are required to furnish necessary information/sufficient evidence as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 in response to the

558 GI/07-9

Market Economy Treatment questionnaire to enable the Designated Authority to consider the following criteria as to whether:-

- a) the decisions of concerned firms in China PR regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;
- b) the production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;
- c) such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms and
- d) the exchange rate conversions are carried out at the market rate.

16. In this connection the Authority notes that two companies from China PR have filed their questionnaire response and Market Economy Questionnaire response in support of their market economy and individual treatment claims. The claims of the responding exporters have been examined as follows:

**F.1.1 M/s Zhejiang NHU Company Limited (NHU), China PR and M/s Synchem International Co. Ltd.**

17. M/s Zhejiang NHU Company Limited (NHU), China PR, alongwith M/s Synchem International Co. Ltd., has filed the exporter's questionnaire response and market economy questionnaire response. NHU is the producer of the subject goods in China and exports the same to India through its related company Synchem, which is a trading Company.

18. NHU has claimed that it is a publicly listed company in China and major portion (\*\*\*\*%) of its shares are held by a holding Company named, M/s Xinchang County Synthetic Chemicals Factory (Xinchang), and part of it is invested by public shareholders. The company has clarified that the expression 'county' appearing in the name of the company is only a geographical indicator of the county where the factory is located and has nothing to do with the county government. The company further claims that Xinchang is a private company limited by shares and is in the process of changing itself into a holding company. Major portion of the shares of this Company is held by 6 individuals. However, the exporter has not provided any information about the original status of various production units controlled by this company and the process of their transformation, if they were earlier held by local/state or provincial governments. The holding Company seems to have several production and trading units directly under it or through NHU. The name of this company, with the expression 'factory' and 'county', appears to suggest that Xinchang was a synthetic chemical

factory under the Xinchang County Government before it was transformed into a private entity through privatization process. Therefore, examination of the status of Xingchang and the nature of establishment of various production units and trading companies involved in the production and sales of the subject goods is essential before taking a final view on the market economy status of the company. The producer has also a large number of local raw material suppliers the status of which have been shown as private entities while the respondent does not have their addresses. In view of the above it is not possible to provisionally conclude that the decisions of the concerned firms regarding, prices, costs and inputs, including raw materials, etc. are free from significant state interference and the costs of major inputs substantially reflect market value. Similarly, it is also not possible to provisionally conclude that the production costs and financial situation of the firms involved are not subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system.

19. M/s Synchem International Co. Ltd. has filed the questionnaire responses as the exporter of the subject goods manufactured by M/s Zhejiang NHU. This company is a trading company registered in Dalian Bonded Zone. The company has claimed that majority holding in the company is by M/s Xinchang synthetic Chemical factory and rest of the holdings is by an individual. The respondent has also claimed that it is not a state or local body nor a company in transformation from state or local bodies in the process of privatization. However, Xinchang is the common major shareholder of the producing company i.e. Zhejiang NHU Company Ltd. Therefore, the producer and exporter of the subject goods are related. However, this company has no production and/or domestic sale of the subject goods in China.

20. Therefore, the Authority is of the view that market economy status cannot be extended to this producer for determination of its normal value, pending further investigation and verification of the information submitted by the exporter. In view of the above, for the purpose of preliminary determination, the Authority proceeds to determine the Normal value in China in terms of para 7 of Annex -1 to the Rules. However, pending further investigation and verification of the data of both the entities for the purpose of determination of market economy condition and normal value as well as export price, the data of this exporter has been used for provisional determination of export price for the producer-exporter combination.

**a) Normal Value**

21. As noted above normal value for the Chinese exporters has been determined in terms of para 7 of Annex 1 to the Rules which provides that

*In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis of the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to*

*other countries, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin. An appropriate market economy third country shall be selected by the designated authority in a reasonable manner, "keeping in view the level of development of the country concerned and the product in question, and due account shall be taken of any reliable information made available at the time for selection. Accounts shall be taken within time limits, where appropriate, of the investigation made in any similar matter in respect of any other market economy third country. The parties to the investigation shall be informed without any unreasonable delay the aforesaid selection of the market economy third country and shall be given a reasonable period of time to offer their comments.*

22. In this connection the Authority notes that in the initiation notification the interested parties were intimated that the domestic industry had suggested that in view of non-market economy situation in China the European Union should be considered as the appropriate market economy third country for the purpose of determination of normal value in China. The Authority notes that the selling prices of the subject goods in the European market are available for such a determination. The average selling price of Vitamin-A Palmitate 1.7 BHA/BHT in the European market during the POI was US\$ \*\*\*\*\*per KG at ex-factory level. The exports from China are of 1.7 MIU/Gms and a small quantity of 1.6 MIU/Gms. Therefore, pending further investigation and comments from the interested parties on the subject, for the purpose of preliminary determination normal value in China PR has been determined based on the price in the European market. Accordingly, Normal value has been provisionally determined as US\$\*\*\*\*\*per Kg of Vitamin A Palmitate 1.7 MIU/Gms.

**b) Export Prices**

**i) NHU-Synchem**

23. The Authority notes that NHU-Synchem has exported \*\*\*\*\* Kgs of the subject goods to India during the POI. The goods have been sold to Synchem on FOB basis at a net ex-works price of US\$\*\*\*\*\*per Kg. Synchem has further exported the goods to the customers in India on CIF terms. Adjustments towards all direct selling expenses incurred by Synchem and NHU i.e. inland and ocean freight and insurance, credit expenses have been applied as per the response filed by the exporter. The Authority notes that the exporter has paid VAT @ 17% of the invoice value and claimed refund @ 5% of the invoice value. Therefore, net EP has been determined after adjusting the VAT paid and refund obtained. Accordingly, net price realization for Synchem works out to US\$ \*\*\*\*\*per Kg of Vitamin A Palmitate 1.7 MIU/Gms. Therefore, the price realized by the producer at the ex-factory level has been provisionally adopted as the export price for the

purpose of determination of dumping margin for this exporter-producer combination. Accordingly, the net export price for the cooperating exporters has been determined as US\$\*\*\*\*\*per Kg.

## ii) Others

24. The export price for other non-cooperating exporters from China PR has been provisionally determined based on the lowest export price of the cooperating exporter. Accordingly, net ex-works export price for other non-cooperating exporters have been determined as US\$ \*\*\*\*\*per Kg.

## c) Dumping Margins

25. On the basis of above provisional normal value and export prices determined at the ex-works levels the dumping margins for exporters in China has been provisionally determined as follows:

Exporter	NV	EP	DM	DM %
China	US\$/Kg	US\$/Kg	US\$/Kg	
NHU/Synchem	*****	*****	*****	42%
All others	*****	*****	*****	55%

## F.2 Switzerland

26. The Authority notes that only one exporter from Switzerland i.e., M/s. DSM Nutritional Products (DNP), has filed the questionnaire response in respect of this product. Based on their response and deficiencies therein certain additional information were also called for. On the basis of the questionnaire response filed by the exporter the dumping margins for the exporters in Switzerland have been provisionally determined as follows:

### a) Normal Value

27. The Authority notes that this exporter produces the subject goods and sells the same in the domestic market as well as in the European market and Indian market. However, during the POI only Vitamin-A Palmitate 1.7 BHA/BHT and 1.7 TOCO has been exported to India. It was noticed that their home market sales of \*\*\*\*\* Kg during the POI is less than 2% of the total sale of the subject goods by the company. Therefore, the home market sales are not representative sales for the purpose of dumping margin determination. The exporter has provided its sales of the subject goods in the European market for determination of normal value in terms of Section 9A(c)(ii)(a) of the ACT. The exporter has claimed that they have sold \*\*\*\*\*Kg of Vitamin A Palmitate 1.7 BHA/BHT and 1.7 TOCO in the European market during the POI, and \*\*\*\*\* Kg of the same products have been sold in the Indian market during the same period. The products sold in both the markets being same they have been treated as like products for

558 GI/07-10



30. On the basis of provisional Normal value determined for Switzerland and provisional net export price determined for DNP, dumping margin for this cooperating exporter has been provisionally assessed as follows:

	NV US\$/Kg	Qty Kg	EP US\$/Kg	Qty Kg	DM US\$/Kg	DM value
VIT A PALM 1.7 BHA/BHT	*****	*****	*****	*****	*****	*****
VIT A PALM 1.7 TOCO	*****	*****	*****	*****	*****	*****
Weighted Average	*****	*****	*****	*****	*****	*****
					9%	

## ii) Other exporters

31. Export price for other exporters has been determined based on the lowest export price of the cooperating exporter from Switzerland as best facts available after allowing for adjustments as per exporters data. The export price so determined has been compared with the normal value provisionally determined for Switzerland. Accordingly, export price dumping margin for all other exporters from Switzerland works out as US\$\*\*\*\*\*per Kg (30%).

## F.4 Dumping Margins: Summary

Product	Country	Exporter	Dumping Margin	Dumping Margin %
			US\$/KG	
Vitamin-A Palmitate	Switzerland	M/s DSM Nutritional Products	*****	9%
	Switzerland	All Others	*****	30%
	China	NHU with Synchem	*****	42%
		All Others	*****	55%

32. The dumping margins so determined provisionally are significant and above de minimis.

## G. INJURY DETERMINATION

### G.1 Views of the Exporters and other interested parties

33. DSM Nutritional Products, in its preliminary submissions, has inter alia argued that

- The current loss of market share and fall in profitability suffered by the Petitioner, as alleged by the petitioners, is caused by a large number of other factors, including the government policies and economic parameters, as well as the inefficiency of the Petitioner's production, and not by DNP's imports of the products.
- That the reason prices rose in 2003 was due to the Petitioner exploiting a monopolistic situation when anti-dumping duty was imposed on the subject goods imported from the EU. Whilst the said anti-dumping duties were in place, the Petitioner was able, as the only domestic manufacturer of the products concerned, to re-establish its monopoly, and so increase its sales.
- That it was a logical result that domestic prices would fall once other sources of imported material became available in 2004. The Petitioner's production volumes went up even during the period of investigation. While the Petitioner attributes this to an increase in demand (while being unable to maintain its market share), DNP submits that in reality, the increase in production was the Petitioner's monopolistic situation in 2003-2004, which made it inevitable that the Petitioner would lose market share once other suppliers were able to enter the market.
- That the duties imposed on imported Vitamin-A Palmitate have been more than halved (i.e., falling from 35% to 15%) during the last five years which has clearly made imported material progressively more competitive, despite the fact that DNP has not reduced its CIF price during this period, and is no indicator for either dumping, or material injury caused thereby.
- The Rupee has also appreciated from approximately Rs 48 to less than 44 against the US dollar from 2001 until 2005. Both of these changes occurred as a result of Government policy and help to explain the preference for imported material.
- That the low level of profitability of the Petitioner may in part be caused by the increase in the costs of the main input for the production of the Petitioner's Vitamin-A Palmitate, namely lemon grass oil, and is otherwise a result of the inefficiency of its production. If the Petitioner is unable to produce profitably, even though it doubles the output of its factory with the same installed capacity, the factory must be inefficiently operated.
- That the Petitioner is exporting its Vitamin A products at prices up to 20% lower than DNP's Indian CIF price which would clearly constitute self-inflicted injury of the Petitioner, that cannot be attributed to any sales by DNP for export to India.



- That the Petitioner was able to increase its relative market share compared with the 2001/2002 figures and cannot claim that it should have been allowed to keep the higher market share that it was able to achieve as a consequence of locking out other imports. In a growing market, where consumption increases, normal competition would lead to all participants in the market taking the same share that they had before.
- That imports from China were done at prices that were always at least around 10% lower than those of imports from Switzerland. DNP submits that the consequences thereof cannot be attributed to the Swiss sales.
- That as regards inventories/stocks, DNP submits that the absurdly high variations of stocks do not show any clear and consistent picture and thus cannot be attributed to any dumped imports, but have been caused by the Petitioner's own way of running its business.
- That DNP's data would show that its opening and closing stocks are healthily balanced and there is no evidence that DNP is seeking to flood the Indian market with its products. This would not be warranted by the demand on the Indian market, which is by no means as high as represented by the Petitioner.

## G.2 Examination by the Authority:

34. The Authority has noted the views expressed by the interested parties in respect of the injury claims of the domestic industry and has provisionally examined the mandatory factors for the purpose of provisional injury determination and causal link analysis in these findings.

### G.2.1 Cumulative assessment of injury

35. The Annexure II (iii) of the Anti Dumping Rules requires that where imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to anti dumping investigations, the designated authority will cumulatively assess the effect of such imports, in case it determines that

- I) the imports from individual countries are above de minimis or cumulatively account for more than 7% of imports;
- II) the dumping margin against individual countries are above 2%; and
- III) cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic articles.

36. The Authority notes that the dumped imports of the subject goods are entering the Indian market simultaneously from the subject countries. Therefore, the issue of cumulative assessment of the injury caused to the domestic industry

558 GI/07-11

due to dumped imports from these sources has been examined with respect to the above parameters and it was observed that:

- i) The margins of dumping of subject goods from each of the subject countries are more than the de minimis limit;
- ii) The volume of imports of individual products from each of the subject countries/territories is more than the limits prescribed;
- iii) The domestic products and products supplied by producers in the subject countries are like articles;
- iv) Imported products and domestically produced subject goods are interchangeable and are being interchangeably used. Transaction wise information on imports from various countries shows that the imports are being made by actual users in the Pharmaceutical industry as well as traders who have purchased the material for reselling. Goods supplied by the countries involved are entering the Indian markets through the same channels of distributions and directly competing in the same market;
- v) Products supplied from the subject countries are being marketed in India during the same period through comparable sales channels and under similar commercial conditions;
- vi) Imports of subject goods from the subject countries have increased;
- vii) The domestic producer and exporters in the subject countries are selling the product to the same category of consumers;
- viii) Imports from the subject countries are significantly undercutting and underselling the prices of the domestic industry in the market;

37. The Authority notes the argument of DSM Nutritional product that the subject goods exported from China is at a much lower price compared to the export price from Switzerland and therefore, absence of *inter se* competition in the Indian market. However, for the purpose of the provisional determination, pending further examination of this issue, the injury to the domestic industry has been examined cumulatively.

### **G.3 Examination of Injury and Causal Links**

38. Rule 11 of Antidumping Rules read with Annexure –II provides that an injury determination shall involve examination of factors that may indicate injury to the domestic industry, “.... taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles....” In considering the effect the dumped imports on prices, it is

considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

39. The Authority notes that since Vitamin A Palmitate of various strengths have the same end use, the present investigations shall cover the subject goods in all its strengths and forms. Accordingly, overall condition of the industry and effects of the imports on the Vitamin-A business of domestic industry has also been examined to the extent relevant.

40. For the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry in India, indices having a bearing on the state of the industry such as production, capacity utilization, sales volume, stock, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping, etc. have been considered in accordance with Annexure II of the rules supra. All economic parameters affecting the Domestic Industry as indicated above such as production, capacity utilization, sales volume etc. has been examined in this section.

41. For the purpose of provisional injury examination data for the years 2001-2002, 2002-2003, 2003-2004, April 2004 – Sept., 2005 (POI) has been considered. The Authority also notes that the domestic industry is found to be having significant export activities. However, for the purpose of the injury analysis the performance of the domestic industry has been assessed only in respect of domestic market.

### **G.3.1 Volume Effects of Dumped Imports: Import volumes and market shares**

#### **a) Import Volumes**

42. With regard to the volume of the dumped imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in India.

43. The applicant has submitted the import data compiled from IBIS data source, which shows that Imports have taken place from several sources including the subject countries during the injury investigation period. However, for the purpose of provisional injury examination the Authority has relied upon the DGCIS import data, which shows significant increase in the imports of the subject goods for the injury analysis period. It has also been noticed that imports of Vitamin-A Palmitate has been reported under different strength i.e. 1.0 and 1.7 MIU/g. Since both the strengths have been covered under the product under consideration for the purpose of provisional injury analysis both the product types/strengths have been taken into account.

COUNTRY	2001-02	2002-03	2003-04	2004-05	POI	POI Annualized
SWITZERLAND	2197	2370	1200	1560	3205	2137
Trend	100	108	55	71	146	97
CHINA	0	0	2005	1750	7799	5199
Trend	0	0	100	87	389	259
Total Subject Countries	2197	2370	3205	3310	11004	7336
Trend	100	108	146	151	501	334
OTHERS	8096	1549	458	25	1315	877
Trend	100	19	6	0	16	11
TOTAL	10293	3919	3663	3335	12319	8213
Trend	100	38	36	32	120	80

## DGCIS Data

44. The above data indicates that dumped imports of the subject goods from the subject countries have increased substantially during the injury examination period. Imports from Switzerland have increased after decline upto 2003-04. Import from China has started only in 2003-04 and has increased significantly thereafter. The growth in import volume from the subject countries is significantly higher than the growth in total imports. It also shows that there is a quantum jump in dumped imports compared to the previous year.

**b) Actual and potential effects on capacity, output and capacity utilization of the domestic industry**

45. The performance of the domestic industry has been examined with reference to its capacity, output and capacity utilization and impact of the dumped imports on these parameters, if any.

46. The domestic industry has indicated that their total installed capacity for the liquid plant, where the subject goods is manufactured, is 110 MT per annum, on single shift basis. However, it is noted that this installed capacity is not dedicated for the product under consideration and in this plant the company manufacture about 35 different products. Production of individual product varies from year to year depending upon the demand.

47. Therefore, the capacity of the producer has been assessed based on three shift operation for which the plant is actually available and based on total output from the plant of various products, including the product under consideration, the capacity and capacity utilization has been worked out as follows:

Year	Installed capacity (KG) Indexed	Production (All Products) (Kg) Indexed	Capacity Utilization (%)
2000-01	100	100	47%
2001-02	100	72	33%
2002-03	100	104	48%
2003-04	100	119	55%
2004-05	100	122	57%
POI Annualized	100	144	67%

48. The above examination shows that annualized production and capacity utilization during the period of investigation is the highest in the last four years including the period of investigation. Therefore, capacity utilization does not appear to indicate any deterioration of the performance of the domestic industry.

49. Production of Vitamin A Palmitate by the domestic industry has been examined as follows:

Production Vitamin A	2001-02	2002-03	2003-04	2004-05	POI Annualized
Production for domestic market	*****	*****	*****	*****	*****
Trend	100	135	158	96	126
Production for exports	*****	*****	*****	*****	*****
Total production	*****	*****	*****	*****	*****
Trend	100	135	173	182	212

50. The data shows that while total production of the subject goods by the domestic industry shows a steady growth the production for the domestic market has dropped significantly after showing a healthy growth till 2003-04.

b) Actual and potential effect on sales and market share of the domestic industry:

51. The volume of domestic sales and effects of dumped imports on the domestic sales have been examined in terms of absolute sales of the domestic industry, demands and market shares:

Sales	2001-02	2002-03	2003-04	2004-05	POI Annualized
Domestic sales	*****	*****	*****	*****	*****
Trend	100	234	233	106	166
Captive consumption	*****	*****	*****	*****	*****
Trend	100	57	118	90	100
DI Sales including Captive consumptions	*****	*****	*****	*****	*****
Trend	100	128	164	97	127

558 GI/07-12

52. The above data shows that domestic sales and total sales of the domestic industry, after increasing significantly upto 2003-04, has declined significantly.

Deamnd Vitamin A	2001-02	2002-03	2003-04	2004-05	POI Annualized
DI Sales including Captive consumptions	*****	*****	*****	*****	*****
Trend	100	128	164	97	127
TOTAL Imports	10293	3919	3663	3335	8213
Trend	100	38	36	32	80
Total Domestic Demand	*****	*****	*****	*****	*****
Trend	100	96	119	74	110

53. The above data shows that while the demand for the subject goods show a steady increase, the sales of the domestic industry, after significant increase upto 2003-04, declined significantly. The market share of the domestic industry also shows a similar trend.

					Indexed
Market shares	2001-02	2002-03	2003-04	2004-05	POI Annualized
Domestic Industry	100	133	138	131	115
Switzerland	100	112	46	96	88
China	-	-	100	149	250
Other countries	100	20	5	0	10

54. The Authority notes that antidumping duty was in force on the subject goods imported from the European Union upto 2003-04. The Authority also notes that dumped imports from China PR have started entering the Indian market in significant quantities from 2004-05. Therefore, drop in sales and market share of the domestic industry after 2003-04 is linked to the dumped imports from these sources.

55. The above analysis shows that the dumped imports from the subject countries have increased in absolute term as also in relation to imports into India, production in India and consumption in India. It is also seen that the volume of imports have increased more than the increase in demand. In other words, rate of increase of imports was more than rate of increase of demand.

### G.3.2 Price effect of dumped imports

56. With regard to the effect of the dumped imports on prices, the Authority is required to consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant

degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. In this connection the Authority has determined net sales realization of the domestic industry considering selling price, excluding taxes & duties, rebates, discounts & commissions and freight & transportation. Landed price of imports has been determined considering weighted average CIF import price, with 1% landing charges and applicable basic customs duty. Accordingly, the price effects of the dumped imports have been analyzed as follows:

**a) Price undercutting and Price underselling**

57. The Authority has provisionally determined net sales realization of the domestic industry considering selling price, excluding taxes & duties, rebates, discounts & commissions and freight & transportation. Landed price of imports has been determined considering weighted average CIF import price, with 1% landing charges and applicable basic customs duty. Net sales realization of the domestic industry declined significantly over the injury period.

58. The net sales realization of the domestic industry was compared with the landed value of the dumped imports to examine whether the dumped imports have significant price undercutting effect on the domestic industry. The landed value of dumped imports was also compared with the non-injurious prices of the subject goods to determine the price underselling effect of the dumped imports as follows:

	2001-02	2002-03	2003-04	2004-05	POI Annualized
Cost to Make and Sale	*****	*****	*****	*****	*****
Trend	100	83	78	101	89
Net Sales Realization	*****	*****	*****	*****	*****
Trend	100	104	92	85	85
Landed values					
SWITZERLAND	4014.15	3982.98	3889.60	3842.42	3801.63
CHINA	0.00	0.00	3402.25	3284.27	3462.21
Subject countries	4014.15	3982.98	3584.72	3547.32	3561.07
Price Undercutting					
SWITZERLAND	*****	*****	*****	*****	5-15%
CHINA	*****	*****	*****	*****	15-25%
Subject countries	*****	*****	*****	*****	10-20%
NIP	*****	*****	*****	*****	*****
Price Underselling					
SWITZERLAND					5-15%
CHINA					15-25%
Subject countries					10-20%

59. The above data indicates that landed price of imports from the subject countries have been significantly below the net sales realization and non-injurious price of the domestic industry, thus resulting in significant price undercutting and price underselling.

**b) Price suppression and depression**

60. To examine the price suppression effect of the dumped imports on the domestic prices the trend of net sale realization of the domestic industry has been compared with the cost of production. The data indicates that though there is a decline in the cost of production of the subject goods during the injury investigation period, the fall in sales realization has been significantly higher than the decline in cost of production. It therefore, appears that the price effect of the dumped imports have forced the domestic industry to keep its prices lower in order to retain its market share.

61. The above analysis shows that the dumped imports have adverse volume and price effect on the domestic industry in terms of increase in volume of dumped imports both in absolute terms and market shares and by depressing the prices of the domestic market and eroding its market share.

**G.3.3 Examination of other injury factors**

62. Some of the injury factors i.e. actual and potential decline capacity, production, capacity utilization, sales and market shares; were examined in the previous section alongwith actual and potential increase in volume of imports and it was provisionally noted that

- a) Production of the domestic industry has decreased over the injury period after showing significant increase upto 2003-04. In spite of the increase in the demand of the subject goods in the domestic market, there is a decrease in production. In other words, the domestic industry has been prevented from increasing the production to the extent it could, in spite of good demand in the domestic market.
- b) While the Domestic Industry has the capacity to produce and sell the subject goods in the domestic market, the domestic industry has not been able to utilize the capacities adequately.
- c) Sales of the domestic industry decreased substantially after healthy growth upto 2003-04, which also resulted in declining the market share of the domestic industry. Thus, it is seen that while the domestic industry was not able to increase its sales in response to increase in demand, such decrease in sales was not proportionate to the increase in demand.



**a) Actual and potential effects on Profits**

63. Profits earned by the domestic industry from the sales of the subject goods in the domestic market were as follows:-

Year	Cost to make & sell	Selling Price / MT	Profit / (Loss) per MT
	Per MT (Rs.)	(Rs.)	(Rs.)
2001-2002	100	100	(100)
2002-2003	83	104	247
2003-2004	65	92	145
2004-2005	65	85	(352)
POI (Annualized)	58	85	(155)

64. It is seen that the Domestic Industry has made significant losses in its domestic sales and has moved to a situation of financial losses from a situation of profits, as is clear from the decline in production and sales volumes of the domestic industry over this period.

**b) Actual and potential effects on Employment and wages**

65. As far as Employment and wages are concerned there is no significant drop in employment level as indicator of injury to the domestic industry. However, the Authority notes that the domestic industry produces several products in the same plant and there is no dedicated employee strength for the product under consideration. Overall employment and wage scenario of the company shows that number of employees has declined whereas the expenses on wages have significantly increased.

Year	No. of Employees	Wages (in Lakhs)
		Indexed
2001-2002	100	100
2002-2003	100	31
2003-2004	99	37
2004-2005	95	44
Period of Investigation (Annualized)	93	45

**c) Actual and potential effect on productivity**

66. The labour productivity with reference to the total liquid production of the unit shows that the productivity has significantly improved.

558 GI/07-13

Indexed			
Year	Total Production (All liquids) KG	No of employees	Productivity Indexed
2001-02	100	100	100
2002-03	72	100	145
2003-04	104	99	168
2004-05	119	95	178
POI Annualized	122	93	216

67. However, the improvement in productivity has not translated into profitability for the domestic industry. It is found that even when productivity of the domestic industry significantly improved, which helped in reduction in unit cost of production, profits of the domestic industry significantly declined from a situation of profits to losses due to decline in selling prices.

**d) Actual and potential effects on Cash flow and Return on Capital Employed**

Vitamin-A Palmitate	2001-02	2002-03	2003-04	2004-05	POI Annualized
Profit on domestic sales	(****)	****	****	(****)	(****)
Trend	(100)	646	372	(494)	(754)
Cash Profit local Production	****	****	****	****	****
Cash Profit per MT for Local - Rs	****	****	****	****	****
Capital Employed (In Lacs)	****	****	****	****	****
Trend	100	212	248	280	322
Return on Capital Employed (%)	(****)	****	****	(****)	(****)
Trend	(100)	305	93	(741)	(698)

68. The above data shows that the cash flow and the return on capital employed have deteriorated after significant improvement in the intervening period.

**e) Inventories**

69. Provisional examination of the stock position of the domestic industry shows that the stocks of the Domestic Industry have increased at the close of the Period of Investigation in spite of captive consumption and export sales.

Year	Opening Stock MT	Closing Stock MT
2001-2002	100	100
2002-2003	0	13900
2003-2004	13900	2100
2004-2005	2100	300
POI Annualized	300	2200

**f) Growth**

70. Provisional examination indicates that though there is a healthy growth in demand the performance of the domestic industry in terms of parameters, such as production, sales, market share, profits, cash flow and return on investments shows significant decline.

**g) Ability to raise fresh Investment**

71. The Authority notes that the domestic industry has not made fresh investments in the subject goods in the period of investigation due to dumped imports of the subject goods from subject countries. However, it is found that the financial performance of the domestic industry is significantly eroding, which may have adverse impact on its future ability to raise fresh investments

**h) Degree of dumping margin**

72. Provisional dumping margins from the subject countries, as an indicator of injury, are found to be significant and above de minimis.

**G.3.4 Overall assessment**

73. The above analysis of the factors shows that in spite of the good demand in the domestic market, improvement in productivity and reduction in its cost of production, the industry suffers injury on account of decline in production, and sales, low net sales realization, higher inventory built up, negative or low return on investments and profits. The injury suffered is material and significant. Therefore, the arguments of the interested parties that the petitioner domestic industry does not suffer any material injury do not appear to be valid.

**G.4. Causal link**

74. Having examined the existence of material injury and volume and price effects of dumped imports on the prices of the domestic in terms of its price undercutting, price underselling and price suppression, and depression effects the Authority has also examined whether other indicative parameters listed under

the Indian Rules and Agreement on Anti Dumping could have contributed to injury to the domestic industry. Therefore, the following parameters have been examined:

- a) **Imports from Third Countries:** - Imports from countries not under investigation are either insignificant as some of the them appear to be sample sales and not commercial sales or at prices higher than the import prices from the subject countries and therefore, do not affect the prices in the domestic industry;
- b) **Contraction in Demand:** - Demand for the subject goods have increased substantially during the injury examination period. Therefore, possible contraction in demand cannot be attributed to the injury to the domestic industry.
- c) **Pattern of consumption:** - No significant change in the pattern of consumption has been alleged by any interested party.
- d) **Conditions of competition:** - The goods are freely importable. The petitioner is the major producer of the subject goods as the other viable producers have either stopped significant production or turned traders of the subject goods. Therefore, domestic competition could not be attributed to the injury to the domestic industry. No other evidence of conditions of competition or trade restrictive practices has been brought to the knowledge of the Authority.
- e) **Developments in technology:-** There is no allegation of significant changes in technology which could have caused injury to the domestic industry. However, no cost disadvantage to the domestic industry due to technological difference has been claimed.
- f) **Export performance of the domestic industry:-**

Exports	2001-2002	2002-2003	2003-2004	2004-2005	April 2004 to September
In MT	-	-	****	****	****

The export sale of the domestic industry is substantial and shows significant growth. But the profitability from the export has been negative. However, for the injury analysis the price and profitability in the domestic and export markets have been segregated. And injury if any caused due to the company's export performance has not been attributed to the dumped imports.

- g) **Productivity:** - Productivity of the domestic industry has improved in terms of total output and productivity per employee. Therefore, this cannot be attributed to the injury of the domestic industry.

75. The Authority notes that other interested parties have argued that the injury caused to the domestic industry is on account of the Government's pricing and tax policies and has nothing to do with the dumped imports. However, the above examination shows that the import prices of the subject goods are significantly below the price fixed by the price regulatory authority.

76. The non-attribution analysis as above shows that no other factor other than the dumped imports has affected the domestic industry. The dumped imports from the subject countries, through volume and price effects, have caused material injury to the domestic industry.

#### **G.5 Factors establishing causal link**

77. Provisional examination of the performance of the domestic industry over the injury period shows that the performance of the domestic industry has materially deteriorated due to dumped imports from subject countries. Therefore, the causal links between dumped imports and the injury to the domestic industry is established on the following grounds:

1. The dumped import prices and consequently the landed price of imports from the subject countries resulted in price undercutting. As a direct consequence, the domestic industry was forced to reduce the prices.
2. Reduction in the selling prices by the domestic industry adversely affected the sales volume, net sales realization, production, profits, cash flow and return on capital employed of the company.
3. Even though the domestic industry responded to decline in import prices, significant positive price undercutting resulted in increase in market share of imports from the subject countries. As a direct consequence, market share of the domestic industry declined.
4. Existence of significant price undercutting and consequent decline in market share of the domestic industry resulted in capacity utilization not reaching the earlier levels.
5. In spite of increase in demand and reduction in selling prices by the domestic industry, market share of the domestic industry declined due to significant reduction in landed price of imports. This retarded the growth of the domestic industry.

558 GI/07-14

78. Therefore, the Authority provisionally concludes that the domestic industry suffers material injury and the injury has been caused by the dumped imports from the subject countries/territories.

#### H. Magnitude of Injury and injury margin

79. The non-injurious price determined by the Authority has been compared with the landed value of the exports for determination of injury margin. The weighted average landed price of the exports from the subject countries and the injury margins have been worked out as follows:

Country/ Territory	Exporter	Injury Margin %
Switzerland	DSM Nutritional Products	5-15%
Switzerland	All Others	5-15%
China PR	NHU with Synchem	15-25%
China PR	All others	55-65%

#### G. Conclusions

80. After examining the issues raised and submissions made by the interested parties and facts made available before the Authority as recorded in this finding the authority provisionally concludes that:

- i) The subject goods have entered the Indian market from the subject countries at prices less than their normal values in the domestic markets of the exporting countries;
- ii) The dumping margins of the subject goods imported from the subject countries/territories are substantial and above de minimis;
- iii) The domestic industry suffers material injury;
- iv) And the injury has been caused to the domestic industry both by volume and price effect of dumped imports of the subject goods originating in or exported from the subject countries.

#### I. Indian industry's interest & other issues

81. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject country in any way, and, therefore, would not affect the availability of the products to the consumers.

## **J. Recommendations**

82. The Authority notes that the investigation was initiated and notified to all interested parties and adequate opportunity was given to the exporters, importers and other interested parties to provide positive information on the aspect of dumping, injury and causal links. Having initiated and conducted a preliminary investigation into dumping, injury and causal links between dumping and injury to the domestic industry in terms of the Rules laid down and having provisionally established positive dumping margin against the subject countries, and having concluded that the domestic industry suffers material injury due to such dumped imports, the Authority is of the opinion that provisional measure is required to prevent injury being caused to the domestic industry during the investigation period.

83. Therefore, Authority considers it necessary and recommends provisional anti-dumping duty on imports of subject goods from the subject countries/territories in the form and manner described hereunder.

84. Having regard to the lesser duty rule followed by the authority, the Authority recommends imposition of provisional anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, provisional antidumping duty, equal to the amount indicated in Col 9 of the duty table annexed herewith, is recommended to be imposed from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government, on all imports of subject goods originating in or exported from the subject countries.

## **K. Further Procedures**

85. The following procedure would be followed subsequent to notifying the preliminary findings:-

- (a) The Authority invites comments on these findings from all interested parties and the same would be considered in the final finding;
- (b) Exporters, importers, petitioner and other interested parties known to be concerned are being addressed separately by the Authority, who may make known their views, within forty days from the date of the dispatch of the letter. Any other interested party may also make known its views within forty days from the date of publication of these findings;
- (c) The Authority would conduct further verification to the extent deemed necessary;
- (d) The Authority would disclose essential facts before announcing final findings.

**Duty Table**

Sl. No	Sub-heading	Description of goods	Specification	Country of origin	Country of Export	Producer	Exporter	Amount	Unit of Measurement	Currency
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)
1.	293621	Vitamin-A Palmitate	Any	Switzerland	Any	DSM Nutritional Products, AG Switzerland	DSM Nutritional Products Asia Pacific Pts Ltd, Singapore	6.574	KG	US\$
2	-Do-	-Do-	Any	Switzerland	Any other than China	Any other than above	Any	8.75	KG	US\$
3	-Do-	-Do-	Any	Any other than China	Switzerland	Any	Any	8.75	KG	US\$
4	-Do-	-Do-	Any	China PR	Any	Zhejiang NHU Company Ltd	Synchem International Company Ltd.	14.94	KG	US\$
5	-Do-	-Do-	Any	China PR	Any	Any other than above	Any	26.5	KG	US\$
6	-Do-	-Do-	Any	Any	China PR	Any	Any	26.5	KG	US\$

CHRISTY L. FERNANDEZ, Designated Authority